सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 278, नई दिल्ली | मंगलवार, 19 दिसम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

"सफलता की ख़ुशी मनाना अच्छा है पर, उससे जरूरी है अपनी असफलता से सीख लेना !

दिल्ली में मिनी बस के बोनट पर एक व्यक्ति को कई किलोमीटर तक घसीटा, वीडियो देख रह जाएंगे दंग

संजय बाटला, सम्पादक

पूरे मामले की जानकारी देते हुए दक्षिण दिल्ली जिले की डीसीपी चंदन चौधरी ने लिखित बयान जारी करते हुए बताया कि 17 तारीख को 11:27 बजे थाना लाजपत नगर से एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसमें कॉलर ने बताया कि डीएनडी फ्लाईओवर से नोएडा की ओर जाते समय लाजपत नगर क्षेत्र में एक वाहन के चालक ने उसे टक्कर मार दी.

नई दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली में लगातार क्राइम का ग्राफ बढ़ता जा रहा है. दिल्ली में चोरी, लूट, झपटमारी जैसी घटनाएं आम हो गई है. दिल्ली के कई इलाकों से हर रोज कोई न कोई ऐसी खबर आती है, जहां पर लूट स्नैचिंग जैसी घटनाएं सामने आती है. दिल्ली पुलिस लगातार ऐसी आपराधिक गतिविधियों पर नजर बनाए हुए हैं लेकिन फिर भी क्राइम कम नहीं हो पा रही है.

दिल्ली में एक बार फिर से दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक मिनी बस चालक ने एक व्यक्ति को कई किलोमीटर तक मिनी बस के बोनट पर घसीटता. इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. हालांकि जिस व्यक्ति को मिनी बस के बोनट पर कई किलोमीटर तक घसीटा गया था, उसे किसी भी तरीके की कोई चोट नहीं आई है.

ये है मामला

पूरे मामले की जानकारी देते हुए दक्षिण दिल्ली जिले की डीसीपी चंदन चौधरी ने लिखित बयान जारी करते हुए बताया कि 17 तारीख को 11:27 बजे थाना लाजपत नगर से एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई, जिसमें कॉलर ने बताया कि डीएनडी फ्लाईओवर से नोएडा की ओर जाते समय लाजपत नगर क्षेत्र में एक वाहन के चालक ने उसे टक्कर मार दी और वह कॉलर को बोनट पर लेकर डीएनडी फ्लाईओवर तक ले गया. इसके बाद आरोपी वाहन चालक मौके से फरार हो गया. डीसीपी ने बताया कि कॉलर को

पुलिसकर्मियों के द्वारा संपर्क किया लेकिन कॉलर ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश में है और शिकायत देने के लिए वापस नहीं आ सकता. शिकायतकर्ता को बुलाने का प्रयास किया जा रहा है, जिसके बाद उसके बयान पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

लाजपत नगर में वाहन चालक ने शख्स को मारी टक्कर, उछलकर बोनट पर आया तो डीएनडी फ्लाईओवर तक घसीटा

लाजपत नगर क्षेत्र में एक वाहन के चालक ने एक शख्स को टक्कर मार दी। पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। फिलहाल हादसे में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

नई दिल्ली।17 दिसंबर यानी रविवार को रात 11:27 बजे पीएस लाजपत नगर से ट्रांसफर पर एक पीसीआर कॉल प्राप्त हुई। कॉल करने वाले ने बताया कि डीएनडी फ्लाईओवर से नोएडा की ओर जाते समय लाजपत नगर क्षेत्र में एक वाहन के चालक ने उसे टक्कर मार दी। डीएनडी फ्लाईओवर तक उसने वाहन का पीछा किया, लेकिन वह चला गया। कॉल वाले बताया की टक्कर लगने से वह वाहन के बोनट पर आ गया था। यह कॉल एचसी दिनेश को सौंपी गई थी। उन्होंने दिए गए मोबाइल नंबर पर कॉल करने वाले से संपर्क किया, लेकिन कॉल करने वाले ने कहा कि वह उत्तर प्रदेश में है और शिकायत करने के लिए वापस नहीं आ सकता। शिकायतकर्ता को बुलाने का प्रयास किया जा रहा है और उसके आने पर उसकी तहरीर के आधार पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

बस यात्रियों के लिए खुशखबरी, घटाया गया एसी बसों का किराया...

आगरा। आगरा में बस यात्रियों के लिए खुशखबरी है। यहां से विभिन्न रूटों पर संचालित एसी बसों का किराया दस फीसदी तक घटा दिया गया है। उत्तर प्रदेश के आगरा में सर्दी में रोडवेज की एसी बसों का किराया 10 फीसदी तक घट गया है। इससे यात्रियों को राहत मिली है। बस अड्डों पर एसी बस के नए किराये की सूची भी चस्पा कर दी है। आरएम ब्रह्मप्रकाश अग्रवाल ने बताया कि आगरा में 27 एसी बसें हैं। इनका संचालन विभिन्न शहरों के लिए होता है। सर्दी में एसी की जरूरत नहीं पड़ती है, इस कारण इनके किराये को 10 फीसदी कम कर दिया है। गर्मी में इतना ही किराया फिर बढ़ा दिया जाएगा। परिवहन निगम लखनऊ मुख्यालय के प्रधान प्रबंधक श्यामलाल शर्मा ने आईएसबीटी, ईदगाह और बिजलीघर बस अड्डे का निरीक्षण किया। यहां यात्रियों की सुविधाओं का आकलन करने के साथ कोहरे में सुरक्षित बस संचालन पर जोर दिया। उन्होंने आरएम को हर स्टेशन पर रैन बसेरा लगाने के निर्देश दिए। स्टेशनों पर साफ-सफाई, बसों की हालत दुरुस्त रखने और कम यात्री होने पर एक ही बस में इनको शिफ्ट करने के भी निर्देश दिए।

सड़क हादसों में मरने वालों के अलग-अलग आंकड़े
NCRB और परिवहन मंत्रालय की रिपोर्ट्स में अंतर

परिवहन विशेष न्यूज

साल 2022 में दोपहिया वाहनों से मरने वालों का आंकड़ा सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार 74,897 है, वहीं एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, यह आंकड़ा 77,876 है।

सरकार की दो एजेंसियों द्वारा हाल ही में देश में सड़क हादसों में मरने वालों के आंकड़े जारी किए गए हैं। हैरानी की बात ये है कि इन आंकड़ों में बड़ा अंतर मिला है। नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो और सड़क परिवहन मंत्रालय ने हाल ही में अपने आंकड़े जारी किए, जिनमें साल 2022 में सड़क हादसों में मरने वालों के आंकड़ों में बड़ा अंतर है। दोनों एजेंसियों का डाटा की तुलना करने पर पता चला है कि सड़क परिवहन मंत्रालय ने बताया कि साल 2022 में वाहनों की टक्कर से पैदल जा रहे 32,825 लोगों की जान गई। इस मामले में एनसीआरबी द्वारा जारी आंकड़ों से यह 32 फीसदी ज्यादा है।

दोनों एजेंसियों की रिपोर्ट में मिला बड़ा अंतर

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, ट्रक में मरने वालों के डाटा में तो यह अंतर बढ़कर 42 फीसदी हो जाता है। इससे डाटा कलेक्शन सिस्टम को बेहतर करने की जरूरत मांग उठ रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह गड़बड़ी तब तक जारी रहेगी, जब तक डाटा इकट्ठा करने वाले लोगों की सही ट्रेनिंग नहीं होगी। सड़क परिवहन मंत्रालय के फील्ड स्टाफ की कम समझ के चलते ऐसी गड़बड़ियां होती हैं। पैदल जा रहे लोगों की वाहन की टक्कर से होने वाली मौतों का रिकॉर्ड दर्ज करने में अनियमितता होती है, जिससे डाटा की गड़बड़ी होती है। वहीं एनसीआरबी सीसीटीएनएस डाटा के साथ ही सड़क हादसों को रिकॉर्ड करने के लिए अलग प्रक्रिया अपनाता है।

ऐसे रहे साल 2022 के आंकड़े

बता दें कि साल 2022 में दोपहिया वाहनों से मरने वालों का आंकड़ा सड़क परिवहन मंत्रालय के अनुसार 74,897 है, वहीं एनसीआरबी की रिपोर्ट के अनुसार, यह आंकड़ा 77,876 है। पैदल चल रहे लोगों का वाहनों की टक्कर से मरने वालों का आंकड़ा मंत्रालय के अनुसार 32,825 है, वहीं एनसीआरबी के अनुसार यह 24,742 है। कार और हल्के मोटर वाहनों के हादसों में मरने वालों की संख्या मंत्रालय के अनुसार 21,040 है तो एनसीआरबी के अनुसार 24,086 है। इस तरह मंत्रालय के अनुसार, कुल सड़क हादसे में साल 2022 में 1,68,491 लोग मारे गए। वहीं एनसीआरबी के अनुसार यह आंकड़ा 1,71,100 रहा।

विशेषज्ञ बोले ट्रेनिंग देने की जरूरत

विशेषज्ञों का कहना है कि सड़क परिवहन और गृह मंत्रालय के बीच समन्वय होना जरूरी है। इसके बाद ही देश में सड़क हादसों और उनसे होने वाली मौतों का सही डाटा मिल सकेगा। साथ ही सड़क हादसे की स्थिति से निपटने वाले पुलिसकर्मियों को भी ट्रेनिंग दी जानी चाहिए।

'जब तक मैं मंत्री हूं, देश में नहीं आने दूंगा ड्राइवरलैस कार', जीरो माइल संवाद में बोले नितिन गडकरी

दुनिया में कई जगहों पर बिना चालक वाली कारों का परीक्षण किया जा रहा है। गूगल समेत कई दिग्गज कंपनियां इस पर काम कर रही हैं कि कैसे ड्राइवरलेस कारें सड़कों पर उतारी जाएं, लेकिन भारत के परिवहन मंत्री साफ कर दिया है कि वह इसे देश में नहीं आने देंगे।

नई दिल्ली। देश में बिना चालक वाली यानी ड्राइवरलैस कारों को लेकर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने साफ कह दिया है कि वह कभी इसकी अनुमति नहीं देंगे।

नौकरियां जाने का खतरा

केंद्रीय मंत्री गडकरी ने दृढ़ता से भारत में चालक रहित कारों की शुरुआत के खिलाफ अपना विरोध व्यक्त किया। उन्होंने चालकों की नौकरी के नुकसान के बारे में चिंता व्यक्त की।

इस कार्यक्रम में बोले मंत्री

जीरो माइल संवाद में बोलते हुए गडकरी ने कहा, 'मुझसे कई बार बिना चालक वाली कारों के बारे में पूछा जाता है। तब मैं कहता हूं कि जब तक मैं परिवहन मंत्री हूं, तब तक आप भूल जाएं।'

चीन में विनिर्माण स्वीकार्य नहीं

गडकरी ने कहा, ' मैं बिना चालक वाली कार को भारत में कभी नहीं आने दूंगा क्योंकि इससे कई लोगों की नौकरियां चली जाएंगी और मैं ऐसा नहीं होने दूंगा।' उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि टेस्ला का भारत में स्वागत है, लेकिन भारत में बिक्री के लिए चीन में विनिर्माण स्वीकार्य नहीं है।

बिना चालक वाली कारों का परीक्षण

आपको बता दें, दुनिया में कई जगहों पर बिना चालक वाली कारों का परीक्षण किया जा रहा है। गूगल समेत कई दिग्गज कंपनियां इस पर काम कर रही हैं कि कैसे ड्राइवरलेस कारें सड़कों पर उतारी जाएं। माना जा रहा है कि ऐसा करने से आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस की मदद से दुर्घटनाओं को कम किया जा सकेगा।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/ 25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए-4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

देश में हो रहे प्रदूषण को लेकर चिंतित गर्भवती महिलाएं व आने वाले शिशु

इस महीने की शुरुआत से ही दिल्ली-एनसीआर समेत कई इलाकों में प्रदूषण का लेवल बढ़ रहा है. ऐसे में डॉक्टरों ने अलर्ट किया है. डॉक्टरों का कहना है कि अभी से लोगों को वायु प्रदूषण से बचाव करना होगा. इसके लिए डॉक्टरों ने कुछ टिप्स साझा किए हैं.

मौसम में परिवर्तन और ठंड शुरू होने के साथ ही दिल्ली और एनसीआर समेत कई इलाकों में वायु प्रदूषण के स्तर में इजाफा होने लगा है. बढ़ते खतरे को देखते हुए दिल्ली-एनसीआर में ग्रैप का पहला चरण भी शुरू करने का आदेश दिया गया है. प्रदूषण की वजह से सेहत पर भी गंभीर असर होता है. इससे लंग्स इंफेक्शन, अस्थमा और ब्रोंकाइटिस जैसी बीमारी हो जाती है. प्रदूषण का सबसे ज्यादा खतरा गर्भवती महिलाओं और छोटे बच्चों को होता है. डॉक्टरों का कहना है कि प्रेग्नेंट महिलाओं को अभी से उनकी सेहत का ध्यान रखना होगा. ऐसा इसलिए क्योंकि आने वाले दिनों में प्रदूषण का लेवल बढ़ेगा. अगर अभी से सावधानी बरती तो भविष्य में गंभीर खतरे से बचाव हो सकता है.

गुरुग्राम के मैक्स हॉस्पिटल्स में एसोसिएट डायरेक्टर (ऑब्सटेट्रिक्स एंड गायनेकोलॉजी) और औरा स्पेशलिटी क्लीनिक की डायरेक्टर डॉ. रितु सेठी बताती हैं कि वायु प्रदूषण के बढ़ने की वजह से लोगों को कई तरह की परेशानियां होती हैं. जिन लोगों को पहले से ही सांस संबंधित बीमारियां हैं उनको अधिक खतरा रहता है.

खासतौर पर गर्भवती महिलाओं और बच्चों को बढ़ते प्रदूषण के कारण ज्यादा परेशानी होती है, हालांकि अभी प्रदूषण अधिक नहीं है, लेकिन आने वाले दिनों में इसमें इजाफा होगा. ऐसे में अभी से बचाव करना जरूरी है. प्रदूषण से बचाव नहीं किया तो गर्भवती महिला को कई तरह की समस्याएं हो सकती हैं.

प्रीमेच्योर बेबी के लिए वरदान साबित हो सकता है कंगारू मदर केयर, सेहत को मिलेंगे अनगिनत फायदे, जानें क्या है यह तरीका

कंगारू केयर नवजात बच्चों की देखभाल का एक तरीका है, जो समय से पहले जन्मे नवजात शिशुओं के लिए बेहद फायदेमंद हो सकता है. इसका ट्रेंड तेजी से बढ़ रहा है और डॉक्टर भी इस तरीके को असरदार मानते हैं. आज आपको बताएंगे कि कंगारू केयर क्या है और इसके क्या फायदे होते हैं.

दुनियाभर में हर साल करोड़ों की संख्या में बच्चे पैदा होते हैं, जिनमें से तमाम बच्चे प्रीमेच्योर पैदा हो जाते हैं. जो बच्चे समय से पहले पैदा होते हैं, उन्हें प्रीमेच्योर बेबी कहा जाता है. प्रीमेच्योर बेबी की मृत्यु दर ज्यादा होती है. वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (WHO) की एक रिपोर्ट के अनुसार साल 2020 में विश्व में 13.4 मिलियन यानी 1.34 करोड़ प्रीमेच्योर बच्चे पैदा हुए, जिनमें से करीब 10 लाख शिशुओं की मौत हो गई. जिन बच्चों का जन्म समय से पहले होता है, उन्हें हेल्थ से रिलेटेड कई कॉम्प्लिकेशन झेलनी पड़ती हैं. इनका विकास भी धीमा होता है. ऐसे बच्चों की जान बचाने और इनकी सेहत को सुधारने के लिए एक नया तरीका तेजी से बढ़ रहा है, जिसे कंगारू मदर केयर कहा जा रहा है. डॉक्टर्स से इस बारे में जरूरी बातें जान लेते हैं.

नई दिल्ली के फोर्टिस ला फेम हॉस्पिटल के नियोनेटोलॉजी डिपार्टमेंट के सीनियर डायरेक्टर डॉ. रघुराम मल्लैया के मुताबिक कंगारू मदर केयर (KMC) कई प्रकार की परेशानियों से निजात पाने का प्राकृतिक उपचार है. इस प्रक्रिया में शिशु को मां की छाती से लगाकर रखने की सलाह दी जाती है. इससे मां और शिशु के बीच स्किन टू स्किन कॉन्टेक्ट बना रहता है. डॉक्टर इस तकनीक की मदद से शिशु का बेहतर इलाज करते हैं. गर्भावस्था के बाद महिलाओं को इस प्रक्रिया से शिशु की देखभाल करने की सलाह दी जाती है. कंगारू मदर केयर प्रीमेच्योर शिशुओं के लिए बेहद लाभकारी है. इस तकनीक को समय से पहले जन्मे नवजात शिशुओं के लिए अपर्याप्त इनक्यूबेटर देखभाल के विकल्प के रूप में विकसित किया गया था. इसमें मदर और शिशु दोनों को लाभ मिलता है.

जानें कंगारू केयर के बड़े फायदे

लखनऊ के मेदांता हॉस्पिटल के पीडियाट्रिक्स डिपार्टमेंट के एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. आकाश पंडिता के अनुसार कंगारू मदर केयर से मां और बच्चे दोनों की सेहत को गजब के फायदे मिल सकते हैं. इसमें बच्चा अपनी मां के स्किन टू स्किन कॉन्टेक्ट में होता है और इससे बच्चे का तापमान, उसकी हृदय गति और श्वसन दर सही बनी रहती है. यह मां को पोस्टपार्टम डिप्रेशन से निकलने में भी मदद करता है.इससे ब्रेस्टफीडिंग में परेशानी नहीं आती है और इससे बच्चे को संक्रमण का खतरा भी कम हो जाता है. आमतौर पर कंगारू केयर का टाइम जितना ज्यादा होगा, उतना अच्छा होगा. हालांकि हर सेशन कम से कम 1 घंटे तक चलना चाहिए. अगर यह अवधि कम रहेगी तो इससे बच्चे के लिए तनाव बढ़ सकता है. इससे फायदा होने की जगह नुकसान हो सकता है. कंगारू केयर से नवजात की मृत्यु दर घट सकती है.

WHO भी देता है कंगारू केयर का सुझाव

लखनऊ के अपोलोमेडिक्स स्पेशलिटी हॉस्पिटल की प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. नेहा नेगी कहती हैं कि कंगारू मदर केयर में मां और शिशु का स्किन टू स्किन कॉन्टैक्ट होता है. यह मां और शिशु के बीच एक मानसिक और शारिरिक बॉन्डिंग होती है, जो शिशु के विकास को बढ़ावा देता है और उसे स्वस्थ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन (WHO) ने प्रीटर्म डेलिवरी के कारण जन्मे इम्मेच्योर बेबी के लिए कंगारू मदर केयर का सुझाव दिया है. कंगारू मदर केयर के बहुत से फायदे होते हैं. शिशु के जन्म के तुरंत बाद इसकी मदद से शिशु का इलाज किया जाता है. अब तक केएमसी केवल अंडरवेट या प्रीमेच्योर बच्चे को कुछ दिन तक इंक्यूबेटर में रखने के बाद ही दिया जाता है. अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद भी लंबे समय तक शिशु को फॉलओप के लिए डॉक्टर बुलाते हैं, जिससे उनका स्वास्थ्य ठीक रहे सके.

दुनिया की कोई दवा 42 दिन से पहले कोलेस्ट्रॉल नहीं कर सकती कंट्रोल ! खाने-पीने से इतने महीने में दिखेगा असर

तमाम लोगों को लगता है कि शरीर में जमे कोलेस्ट्रॉल को आसानी से बाहर निकाला जा सकता है, लेकिन ऐसा नहीं है. प्रॉपर ट्रीटमेंट के बाद भी बैड कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में कई सप्ताह का वक्त लग सकता है. कुछ लोगों के लिए यह समय सीमा कई महीने भी हो सकती है. इससे जुड़ी हैरान करने वाली बातें जान लीजिए.

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने की समस्या इन दिनों आम हो गई है. बड़ी तादाद में लोग हाई कोलेस्ट्रॉल का शिकार हो रहे हैं. कोलेस्ट्रॉल बढ़ जाए, तो हमारी खून की धमनियों में जमा हो जाता है और ब्लड फ्लो को प्रभावित करता है. इससे हार्ट अटैक, स्ट्रोक समेत कई जानलेवा कंडीशन पैदा हो सकती हैं. ऐसे में इसे कंट्रोल करना बहुत जरूरी होता है. कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने के लिए अक्सर लोग दवाओं का सहारा लेते हैं, जबकि कुछ लोग दवा के साथ बेहतर लाइफस्टाइल और हेल्दी डाइट का सहारा भी लेते हैं. ये सभी चीजें कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने में अहम भूमिका निभाती हैं.

बाजार में बिकने वाले तमाम प्रोडक्ट दावा करते हैं कि कोलेस्ट्रॉल को 7 दिनों या 10 दिनों में पूरी तरह कंट्रोल किया जा सकता है. कई जड़ी-बूटियों से भी कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने का दावा किया जाता रहा है. अब सवाल है कि आखिर दवाओं के जरिए कोलेस्ट्रॉल को नॉर्मल स्तर पर लाने में कितने दिनों का वक्त लग सकता है. इसके अलावा बिना दवाओं के लाइफस्टाइल और हेल्दी डाइट से कोलेस्ट्रॉल को कितने दिनों में कंट्रोल किया जा सकता है. अधिकतर लोगों को लगता है कि कोलेस्ट्रॉल चुटकियों में कंट्रोल हो सकता है, लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है. सच जानकर आपके होश उड़ जाएंगे.

इतने वक्त में कोलेस्ट्रॉल होता है कंट्रोल

मेडिकल न्यूज़ टुडे की रिपोर्ट की मानें तो कई रिसर्च में यह बात सामने आ चुकी है कि कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने के लिए दी जाने वाली दवाओं से तुरंत असर नहीं दिखता है. ये दवाएं कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में करीब 6 सप्ताह यानी 42 दिनों का समय लेती हैं. जिन लोगों का कोलेस्ट्रॉल लेवल अत्यधिक होता है, उन मामलों में दवा लेने के बावजूद कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल होने में कई महीने का वक्त लग सकता है. सिर्फ लाइफस्टाइल और हेल्दी डाइट से कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने की कोशिश की जाए, तो इसमें 3 से 6 महीने तक का लंबा वक्त लग सकता है. कोलेस्ट्रॉल को लेकर लापरवाही नहीं बरतनी चाहिए.

इस बारे में क्या कहते हैं डॉक्टर?

नई दिल्ली के सर गंगाराम हॉस्पिटल के प्रिवेंटिव हेल्थ डिपार्टमेंट की डायरेक्टर डॉ. सोनिया रावत कहती हैं कि यह बात बिल्कुल सही है. कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने में काफी वक्त लगता है और इसे दवाओं या किसी अन्य तरीके से तुरंत कंट्रोल नहीं किया जा सकता है. आमतौर पर लोगों की कंडीशन के अनुसार दवाएं दी जाती हैं और उन्हें बेहतर लाइफस्टाइल, डेली फिजिकल एक्टिविटी व बैलेंस्ड डाइट की सलाह दी जाती है. इन सभी बातों का ध्यान रखकर कोलेस्ट्रॉल को कुछ सप्ताह में कंट्रोल कर सकते हैं. हालांकि किसी को समस्या ज्यादा है, तब ऐसे मरीजों को कई महीनों का वक्त लग सकता है.

200 साल पुराने इस मंदिर में सर्दियां आते ही बदल जाते है भगवान का श्रृंगार, धूम धाम

जब लोकल 18 की टीम ने मंदिर के पुजारी शैलेंद्र मुखिया से बात की तो उन्होंने कहा कि पोश महीने में एक माह तक खिचड़ी महोत्सव राधावल्लभ मंदिर में मनाया जाता है. यहां पर ठंड का मौसम शुरू होने से भगवान को ऊनी वस्त्र के साथ सिगड़ी लगाई जाती है.

मध्य प्रदेश का तापमान लगातार रात में गिरता जा रहा है. जिससे ठंड भी बढ़ने लगी है. ऐसे में अब भक्त भगवान को भी ठंड से बचाने में लग गए हैं. अक्सर अपने लोगों को ही ऊनी कपड़े पहनते हुए देखा होगा. लेकिन मध्य प्रदेश के बुरहानपुर जिले के प्राचीन राधावल्लभ मंदिर में मंदिर पुजारी की ओर से भगवान श्री कृष्णा और राधा रानी को ऊन के वस्त्र पहनने के साथ उन्हें गर्म सिगड़ी भी लगाईं जा रही है. ताकि भगवान को किसी प्रकार से ठंड नही लगे. सुबह और शाम के समय प्रसाद के रूप में गर्म वस्तुओं का भोग लगाया जाता है.

लोकल 18 की टीम ने मंदिर के पुजारी शैलेंद्र मुखिया से बात की तो उन्होंने कहा कि पोश महीने में एक माह तक खिचड़ी महोत्सव राधावल्लभ मंदिर में मनाया जाता है. यहां पर ठंड का मौसम शुरू होने से भगवान को ऊनी वस्त्र के साथ सिगड़ी लगाई जाती है. ताकि किसी प्रकार से कोई ठंड ना लगे. यह खिचड़ी महोत्सव बुरहानपुर जिले में एक मात्र ऐसा मंदिर है. जहां पर यह उत्सव मनाया जाता है. इस उत्सव में भगवान को शाम के समय गर्म खिचड़ी का भोग लगाते हैं. और मोटे अनाज से बने हुए पकवान भी रोजाना भोग में रखे जाते हैं. ताकि भगवान को किसी प्रकार से ठंड का कोई असर ना हो.

200 साल पुराना है राधा वल्लभ मंदिर

जिले का यह राधा वल्लभ मंदिर 200 साल पुराना है. भगवान श्री कृष्णा और राधा रानी की यह प्रतिमा यमुना जी से प्रकट हुई है. जिसकी इस मंदिर में स्थापना की गई है. इस मंदिर पर श्री कृष्ण जन्माष्टमी और खिचड़ी महोत्सव बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया जाता है. यह उत्सव पिछले 50 वर्षों से मनाया जा रहा है.

टैगोर गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास रोडरेज में टैक्सी चालक की पीट-पीटकर हत्या, दो आरोपी गिरफ्तार

राजौरी गार्डन थाना इलाके के टैगोर गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास रोडरेज में अधेड़ की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इसके बाद आरोपित क्रेटा कार में सवार होकर भाग गए। मृत की पहचान तिलक नगर के संतगढ़ के रविंद्र के रूप में हुई। वह टैक्सी चलाते थे। राजौरी गार्डन थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से कार की पहचान की।

पश्चिमी दिल्ली। राजौरी गार्डन थाना इलाके के टैगोर गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास रोडरेज में अधेड़ की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। इसके बाद आरोपित क्रेटा कार में सवार होकर भाग गए। मृत की पहचान तिलक नगर के संतगढ़ के रविंद्र के रूप में हुई। वह टैक्सी चलाते थे।

राजौरी गार्डन थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर और आसपास के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज की मदद से कार की पहचान की। इसके बाद पश्चिम विहार इलाके से दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपित जतिन सामरिया व पवन सामरिया चचेरे भाई हैं। वह अधेड़ से मारपीट कर भाग गए थे। पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

रविवार शाम को हुई घटना

पुलिस अधिकारी ने बताया कि रविवार शाम को करीब साढ़े पांच बजे राजौरी गार्डन थाने के टैगोर गार्डन मेट्रो स्टेशन के पास रोडरेज की घटना हुई। इस दौरान रविंद्र सिंह से मारपीट की गई। अस्पताल ले जाने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कार की नंबर प्लेट नहीं कर सके नोट

उनके साथ उनका बेटा और एक रिश्तेदार था। वह कार का नंबर नोट नहीं कर सके। उन्होंने सिर्फ इतना बताया कि आरोपित सफेद रंग की क्रेटा कार में सवार थे। राजौरी गार्डन थाना पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू की।

पुलिस खंगाल रही सीसीटीवी

वाहन और आरोपितों का पता लगाने के लिए कई टीमें लगाई गईं। सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर उनको पश्चिम विहार से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपित जतिन सामरिया व पवन सामरिया कार में सवार होकर फरार हो गए थे। वह चचेरे भाई हैं और स्क्रैप का कारोबार करते हैं। पुलिस मामले में आगे की जांच कर रही है।

डार्क वेब पर बेचते थे भारतीयों का निजी डेटा, दिल्ली पुलिस ने चार लोगों को किया गिरफ्तार

दिल्ली पुलिस साइबर यूनिट ने डार्क वेब पर भारतीयों की निजी जानकारी बेचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को कहा कि डार्क वेब पर भारतीयों का निजी डेटा बेचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार दिल्ली पुलिस साइबर यूनिट ने स्वत संज्ञान लेते हुए करीब 10 दिन पहले आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई।

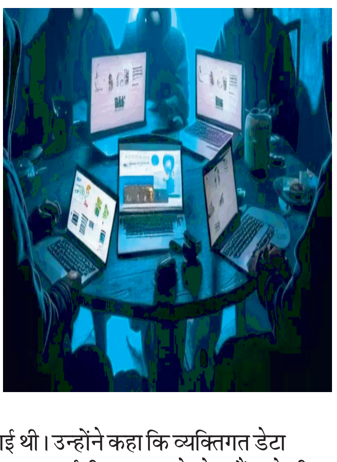

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस साइबर यूनिट ने डार्क वेब पर भारतीयों की निजी जानकारी बेचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया है। समाचार एजेंसी एएनआई के मुताबिक, पुलिस ने सोमवार को कहा कि डार्क वेब पर भारतीयों का निजी डेटा बेचने के आरोप में चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों के अनुसार, दिल्ली पुलिस साइबर यूनिट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए करीब 10 दिन पहले आरोपी व्यक्तियों को गिरफ्तार करने में सफलता पाई थी। उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत डेटा भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के डेटा बैंक से लीक हो गया और डार्क वेब पर बिक्री के लिए डाल दिया गया। पुलिस के अनुसार, उन्हें अक्टूबर में इस मामले का पता चला था, जिसमें आधार और पासपोर्ट विवरण को डार्क वेब पर बेचने की पेशकश की गई थी। इस मामले में आगे की जांच चल रही है।

ब्रेन डेड मरीज के अंगदान एवं प्रत्यारोपण को लेकर सफदरजंग में कार्यशाला का आयोजन

स्वतंत्र सिंह भुल्लर

नई दिल्ली। पिछले दिनों सफदरजंग अस्पताल में ब्रेन डेड डोनर एवं अंग प्रत्यारोपण को लेकर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया, ब्रेन डेथ की स्थिति में संबंधित मरीज के महत्वपूर्ण अंगों को डोनेट करने के लिए जन जागरूकता की जरूरत है। इसके लिए ब्रेन डेड व्यक्ति के परिजनों एवं आम जनों को गहराई से परिचर्चा के दौरान जानकारी प्रदान करने के लिए कार्यक्रम का आयोजन किया गया। लोगों को इसके बारे में अधिक जानकारी नहीं है। इसलिए ब्रेन डेड पेशेंट के अंगदान को लेकर असमंजस्य की स्थिति होती हैं। सफदरजंग अस्पताल की अधीक्षक डॉक्टर वंदना तलवार एवं अतिरिक्त चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर वंदना चक्रवर्ती की उपस्थिति में लोगों में ब्रेन डेथ की स्थिति में उसके महत्वपूर्ण अंगों को डोनेट करने के लिए जागरूक किया गया तथा इसके बारे में गहराई से जानकारी दी गई। इस अवसर पर राष्ट्रीय अंग एवं उत्तक प्रत्यारोपण संगठन और गैर सरकारी संगठनों के विशेषज्ञों ने भी भाग लिया और पुतला के माध्यम से ब्रेन स्टेम डेथ को लेकर विशेष परिचर्चा की गई। वहीं किडनी प्रत्यारोपण के संबंध में भी लोगों के साथ अनुभव साझा किया गया। दरअसल ब्रेन डेथ में किसी भी व्यक्ति का मस्तिष्क काम करना बंद कर देता है लेकिन शरीर के अन्य महत्वपूर्ण अंग स्वस्थ रूप में काम करते रहते हैं। ऐसे व्यक्ति का अंगदान करने से किसी दूसरे व्यक्ति की जान बच सकती है और यह एक महान पुण्य का काम होगा इसलिए इस संबंध में लोगों को जागरूक करना तथा लोगों में इस संबंध में फैली भ्रांतियां को मिटाना काफी जरूरी है और इसी को लेकर यह कार्यशाला आयोजित की गई थी। जिसमें लोगों ने पूरी गंभीरता से ब्रेन डेथ के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा ऐसी स्थिति में अंग डोनेट करने के लिए भी प्रेरित हुए।

राहुल सोलंकी की हत्या मामले में दो आरोपितों को राहत, दिल्ली हाईकोर्ट ने दी जमानत

अदालत ने आरोपितों को निर्देश दिया कि वे इस दौरान अदालत की पूर्व अनुमति के देश छोड़कर नहीं जाएंगे और निचली अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान पेश होंगे। याचिका के अनुसार 24 फरवरी को दिल्ली दंगा के दौरान शिव विहार के पास खड़े राहुल सोलंकी को गोली लगी थी और 25 फरवरी को उसका पोस्टमार्टम हुआ था।

नई दिल्ली। फरवरी-2020 में दिल्ली दंगा के दौरान एक राहुल सोलंकी की हत्या के मामले में दो आरोपितों अनीष कुरैशी व आरिफ को दिल्ली हाईकोर्ट ने जमानत दे दी।

अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने यह नहीं कहा कि आरोपितों के पास हथियार थे, जहां तक घटना की बात है तो यही सामने आया है कि आरिफ ने सीसीटीवी कैमरे तोड़े थे। दिल्ली दंगा से जुड़े एक अन्य मामले में आरोपितों को जमानत मिल चुकी है और पूर्व में मिली अंतरिम जमानत का आरोपितों द्वारा दुरुपयोग नहीं किया गया है।

न्यायमूर्ति अमित बंसल की पीठ ने कहा कि मुकदमा के निष्कर्ष पर पहुंचने में अभी वक्त लगेगा। ऐसे में आरोपितों को 50-50 हजार रुपये के निजी मुचलके व इतनी ही राशि के एक-एक जमानती पर सशर्त जमानत दी जाती है।

देश छोड़कर नहीं जा सकेंगे आरोपित

अदालत ने आरोपितों को निर्देश दिया कि वे इस दौरान अदालत की पूर्व अनुमति के देश छोड़कर नहीं जाएंगे और निचली अदालत के समक्ष सुनवाई के दौरान पेश होंगे। याचिका के अनुसार 24 फरवरी को दिल्ली दंगा के दौरान शिव विहार के पास खड़े राहुल सोलंकी को गोली लगी थी और 25 फरवरी को उसका पोस्टमार्टम हुआ था।

संसद भवन को धुआं-धुआं करने वाले तो सिर्फ प्यादे हैं, असली खेल तो कोई और खेल रहा

संसद की सुरक्षा में सेंध मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस आईबी (IB) व रॉ (RAW) को शक है कि दिल्ली दंगे टूलकिट व किसान आंदोलन की तरह इस मामले के आरोपितों को भी हवाला अथवा अन्य माध्यमों से बड़ी फंडिंग की गई हैं। जितने बड़े स्तर पर साजिश रचकर वारदात को अंजाम दिया गया

नई दिल्ली। संसद की सुरक्षा में सेंध मामले की जांच कर रही दिल्ली पुलिस स्पेशल सेल की काउंटर इंटेलीजेंस, आईबी (IB) व रॉ (RAW) को शक है कि दिल्ली दंगे, टूलकिट व किसान आंदोलन की तरह इस मामले के आरोपितों को भी हवाला अथवा अन्य माध्यमों से बड़ी फंडिंग की गई हैं। जितने बड़े स्तर पर साजिश रचकर वारदात को अंजाम दिया गया, उससे जांच एजेंसियां यह मानकर चल रही हैं कि इनके पीछे बड़े चेहरे हो सकते हैं। उन्होंने सीधे तौर पर आरोपितों से न जुड़कर अपने छोटे प्यादे के जरिए वारदात को अंजाम दिलाया है, ताकि जांच की आंच उन तक न पहुंच सके। लेकिन जांच एजेंसियां हर पहलुओं पर जांच कर साजिश के तह तक पहुंचने में जुटी हुई हैं।

दिल्ली पुलिस ने बैंक विवरण लिया, फॉरेंसिक, मेटा की मदद मांगी

दिल्ली पुलिस की टीमों ने 13 दिसंबर को संसद की सुरक्षा में सेंध लगाने के लिए किसी भी संचालक से प्राप्त धन के लेन-देन का पता लगाने के लिए सभी छह आरोपियों के बैंक खातों का विवरण लिया है। सोमवार।

पुलिस ने आरोपियों के मोबाइल फोन और सोशल मीडिया अकाउंट से डेटा तक पहुंचने के लिए फोरेंसिक विभाग और फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप संचालित करने वाले मेटा की मदद ली है।

बैंक खातों की जानकारी रविवार को मिली, जब दिल्ली पुलिस की विभिन्न टीमों ने आरोपियों के परिवार के सदस्यों से संपर्क किया।

सूत्रों ने बताया कि हरियाणा के जींद में नीलम देवी और लखनऊ में सागर शर्मा के आवास से बैंक पासबुक दिल्ली पुलिस की टीमें अपने साथ ले गईं।

दिल्ली पुलिस काउंटर इंटेलिजेंस ने संसद सुरक्षा उल्लंघन के कृत्य से पहले आरोपी द्वारा बनाए गए हटाए गए फेसबुक पेज 'भगत सिंह फैन क्लब' के विवरण तक पहुंचने के लिए मेटा प्लेटफॉर्म को लिखा है। सूत्रों ने बताया कि मेटा से सदस्यों की संख्या और अन्य विवरण मांगा गया है।

सूत्रों ने बताया कि मेटा से उनके व्हाट्सएप चैट का विवरण देने का अनुरोध किया गया है, साथ ही मोबाइल फोन भी क्षतिग्रस्त हो गए हैं।

राजस्थान में आरोपियों के जले हुए मोबाइल फोन के टुकड़े बरामद होने के एक दिन बाद, पुलिस ने उन्हें यह जांचने के लिए फोरेंसिक विभाग में भेजा है कि क्या उनसे डेटा प्राप्त किया जा सकता है।

पुलिस को संदेह है कि झा ने अपना मोबाइल फोन कहीं छिपा दिया है, जिसके बारे में उसने जांचकर्ताओं को बताया है कि उसने इसे नष्ट कर दिया है और दिल्ली-जयपुर राजमार्ग पर फेंक दिया है। अधिकारी ने बताया कि टीम ने उनके क्षतिग्रस्त मोबाइल फोन की जांच की है।

पुलिस कोलकाता से एक अन्य संदिग्ध को पूछताछ के लिए बुला सकती है, क्योंकि उसे 13 दिसंबर को झा द्वारा शूट किया गया वीडियो प्रसारित करने के लिए कहा गया था।

अब तक छह लोगों (सागर शर्मा, मनोरंजन डी, नीलम देवी, अमोल शिंदे, ललित झा और महेश कुमावत) पर सुरक्षा उल्लंघन मामले में कथित तौर पर शामिल होने का आरोप है। पुलिस ने उन पर यूएपीए और आतंकवाद विरोधी आरोपों में मामला दर्ज किया है और स्पेशल सेल मामले की जांच कर रही है।

सभी सात दिनों की पुलिस हिरासत में हैं और उनसे पूछताछ जारी है। आरोपियों ने पूछताछकर्ताओं को बताया कि वे शहीद भगत सिंह की विचारधारा से प्रभावित थे और सरकार को संदेश देना चाहते थे, इसलिए उन्होंने यह कृत्य किया।

संसद जैसे बवाल से बचने के लिए दिल्ली के बाजारों में भी अलर्ट, पुलिस ने कारोबारियों को दिए ये निर्देश

इस मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा दिल्ली के लोगों तथा बाजार के कारोबारी को विशेष सतर्कता बरतने को कहा जा रहा है। इसे लेकर बाजार संगठनों के साथ स्थानीय थाना पुलिस की बैठकों का दौर चल रहा है। एक ऐसी ही बैठक हाल ही में कश्मीरी गेट स्थित ऑटो पार्ट्स के कारोबारी के साथ दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के बीच हुई।

नई दिल्ली। संसद में घुसकर हंगामा करने की घटना ने देश के लोगों के साथ थी सुरक्षा एजेंसियों को भी हतप्रभ कर दिया है। ऐसे में दिल्ली के बाजारों तथा सड़कों पर विशेष चौकसी की जाने लगी है।

इस मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा दिल्ली के लोगों तथा बाजार के कारोबारी को विशेष सतर्कता बरतने को कहा जा रहा है। इसे लेकर बाजार संगठनों के साथ स्थानीय थाना पुलिस की बैठकों का दौर चल रहा है। एक ऐसी ही बैठक हाल ही में कश्मीरी गेट स्थित ऑटो पार्ट्स के कारोबारी के साथ दिल्ली पुलिस के अधिकारियों के बीच हुई।

कश्मीरी गेट थानाध्यक्ष जिवेशवर कुमार ने अपने कार्यालय में यह बैठक की। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य संसद पर हमले की बरसी के दिन संसद के अन्दर जबरन घुसकर भारत के खिलाफ नारेबाजी करने के मद्देनजर बाजारों में सतर्कता बरतने को लेकर था।

भारत के खिलाफ पोस्टर लगाने वालों पर होगी कार्रवाई

थानाध्यक्ष ने कहा कि यदि कोई भारत के खिलाफ दीवारों पर लिखता है या पोस्टर लगता है तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कारोबारियों से आग्रह करते हुए कहा कि भारत की अखंडता के खिलाफ यदि कोई भी व्यक्ति बाजार में नारेबाजी करता है तो उसकी सूचना कांस्टेबल या थाने को दें।

भारत एक था, एक है, एक रहेगा। इस बैठक में अपमा प्रधान विनय नारंग, कार्यकारिणी सदस्य संजय शर्मा एवं कार्यकारिणी सदस्य अजय सेठिया ने भाग लिया। दिल्ली के बाजारों इसे लेकर सतर्कता बरती जा रही है। बाजार संगठनों ने कर्मचारियों तथा दिल्ली पुलिस के कांस्टेबल तैनात किए हैं।

'राम मंदिर का निर्माण हम भी कराते...' शिवपाल यादव का बड़ा बयान, रामभक्तों पर गोली चलाने के सवाल पर दिया ये जवाब

एक सवाल के जवाब में कहा कि राम मन्दिर का निर्माण हम (सपा) भी कराते यदि हम सरकार में होते। मन्दिर का निर्माण कोर्ट के आदेश पर हो रहा है। शिवपाल ने हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा मन्दिर बनाने का श्रेय ले रही है। वहीं जब सपा नेता से रामभक्तों पर गोली चलाने को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा...

परिवहन विशेष न्यूज

गाजियाबाद। लोकसभा चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक दल ने तैयारी तेज कर दी हैं। इसी क्रम में सोमवार को सपा के कद्दावर नेता शिवपाल यादव गाज़ियाबाद पहुंचे। उन्होंने कहा कि कल दिल्ली में आईएनडीआईए की बैठक है, जिसमें गठबंधन से जुड़े सभी दल के प्रमुख नेता मौजूद रहेंगे।

भाजपा मंदिर निर्माण का ले रही श्रेय

उन्होंने एक सवाल के जवाब में कहा कि राम मन्दिर का निर्माण हम (सपा) भी कराते, यदि हम सरकार में होते। मन्दिर का निर्माण कोर्ट के आदेश पर हो रहा है, ऐसे में जो भी सरकार प्रदेश में होती, उसकी जिम्मेदारी होती मन्दिर का निर्माण कार्य कराने की। भाजपा मन्दिर बनाने का श्रेय ले रही है।

रामभक्तों पर गोली चलाने के सवाल पर भी जवाब

रामभक्तों पर गोली चलाने के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि उस वक़्त संविधान की रक्षा की जा रही थी, कोर्ट का आदेश था कि यथास्थिति बनाई रखी जाए, यथास्थिति बनाने के लिए जरूरी कदम उठाए गए थे। लोकसभा चुनाव में गठबंधन के प्रमुख मुद्दों के सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार ही प्रमुख मुद्दे होंगे।

अपनी मांगों को लेकर एनटीपीसी पर किसानों का धरना, जगह-जगह लग रहा जाम

समान रोजगार व सामान मुआवजा को लेकर भारतीय किसान परिषद के तत्वाधान में एनटीपीसी दादरी से प्रभावित 24 गांव के किसान एनटीपीसी कार्यालय सेक्टर 24 में धरने के लिए पहुंचे हैं। इस दौरान व सेक्टर-33 स्थित प्रकाश हास्पिटल पर एकत्र हुए यहां से पैदल मार्च कर धरना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान परिवहन कार्यालय के आसपास जाम लग गया। इससे आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

नोएडा। समान रोजगार व सामान मुआवजा को लेकर भारतीय किसान परिषद के तत्वाधान में एनटीपीसी दादरी से प्रभावित 24 गांव के किसान एनटीपीसी कार्यालय सेक्टर 24 में धरने के लिए पहुंचे हैं।

इस दौरान व सेक्टर-33 स्थित प्रकाश हास्पिटल पर एकत्र हुए, यहां से पैदल मार्च कर धरना स्थल पर पहुंचे। इस दौरान परिवहन कार्यालय के आसपास जाम लग गया। इससे आने-जाने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

ट्रैफिक जाम से बचने के लिए इन मार्गों का करें प्रयोग

सेक्टर-60 से एलिवेटेड के नीचे आकर निठारी की ओर जाने वाला यातायात गिझौड़ चौक से बाएं मुड़कर होशियारपुर तिराहा होकर गंतव्य की ओर जा सकेगा।

सेक्टर-60 से एलिवेटेड के नीचे आकर सेक्टर-12, सेक्टर-20, सेक्टर-22 आदि की ओर जाने वाला यातायात गिझौड़ चौक से दाएं मुड़कर सेक्टर-57 चौक होकर गंतव्य की ओर जा सकेगा।

सेक्टर-18 से एलिवेटेड के नीचे आकर सेक्टर-54, सेक्टर-57, सेक्टर-58, सेक्टर-60 आदि की ओर जाने वाला यातायात सेक्टर-31-25 चौक से बाएं मुड़कर मोदी माल चौक होकर गंतव्य की ओर जा सकेगा।

सेक्टर-18 से एलिवेटेड के नीचे आकर सेक्टर-52, सेक्टर-53, सेक्टर-54, सेक्टर-60 आदि की ओर जानेवाला यातायात सेक्टर-31-25 चौक से दाएं मुड़कर लाजिक्स माल होकर गंतव्य की ओर जा सकेगा।

एडोब चौक से एनटीपीसी सिटी सेन्टर की ओर जाने वाला यातायात मोदी माल चौक होकर सेक्टर-31-25 से गंतव्य की ओर जा सकेगा।

40 सालों से किसानों को बरगला रहा एनटीपीसी

किसानों का आरोप एनटीपीसी दादरी पर किसानों में कई माह धरना दिया। रेल रोकने का आह्वान किया, तभी जिला अधिकारी व एडीएम ने किसानों को आश्वस्त किया कि आपकी मांगों को हम मान रहे हैं। परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखबीर खलीफा ने बताया कई दौर की वार्ता चली ,तब जाकर के डीएम ने माना कि किसानों की मांग जायज है।

उनको कलमबद्ध भी किया।किंतु एनटीपीसी प्रशासन आज भी अपनी दोहरी रणनीति पर लगा हुआ है। पिछले 40 सालों से एनटीपीसी किसानों को बरगला रहा है ।किसानों के साथ बहुत ज्यादा भेदभाव हुआ है।

किसानों की मांग है, सभी किसानों को सामान मुआवजा व रोजगार दिया जाए। खलीफा ने स्पष्ट कर दिया जब तक किसानों की मांगों का समाधान नहीं होगा। हम ऐसे ही अडिग रहेंगे। इसलिए भारतीय किसान परिषद के तत्वाधान में एनटीपीसी दादरी से प्रभावित 24 ग्रामों के किसान एनटीपीसी पर धरना देने के लिए सेक्टर 33 प्रकाश हॉस्पिटल के पास इकट्ठे होकर वहां से पैदल मार्च करते हुए एनटीपीसी सेक्टर 24 पर पहुंचेंगे।

राजीव चौक अंडरपास में ओवरस्पीड जा रही स्कॉर्पियो पलटकर से बाइक से टकराई, दो लोग गंभीर रूप से घायल

राजीव चौक अंडरपास में रविवार रात को ओवरस्पीड जा रही स्कॉर्पियो गाड़ी अनियंत्रित होने के बाद पलट गई। गाड़ी डिवाइडर पार कर सामने से आ रही बाइक से टकराई। हादसे में बाइक सवार युवक व स्कॉर्पियो चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गुरुग्राम की तरफ से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो गाड़ी सोहना की तरफ जा रही थी।

गुरुग्राम। राजीव चौक अंडरपास में रविवार रात आठ बजे ओवरस्पीड जा रही स्कॉर्पियो गाड़ी अनियंत्रित होने के बाद पलट गई। गाड़ी डिवाइडर पार कर सामने से आ रही बाइक से टकरा गई। हादसे में बाइक सवार युवक व स्कॉर्पियो चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों को इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया गया।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि गुरुग्राम की तरफ से तेज रफ्तार स्कॉर्पियो गाड़ी सोहना की तरफ जा रही थी। इसी दौरान गाड़ी अनियंत्रित होकर पलट गई और घिसटते हुए डिवाइड पार कर दूसरी ओर चली गई। सामने से आ रही बाइक से इसकी भीषण भिड़ंत हो गई। बाइक इससे चकनाचूर हो गई, वहीं बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्कॉर्पियो चालक को भी काफी चोटे आई हैं। फिलहाल दोनों की पहचान नहीं हो पाई। स्कॉर्पियो में तीन महिलाओं समेत पांच लोग सवार थे। थाना पुलिस मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई है।

शराब पीने को लेकर दो भाई भिड़े, चले लाठी डंडे; तीन हिरासत में

टीला मोड़ थाना क्षेत्र के पसौंडा के रघुवीर एन्क्लेव में शनिवार रात करीब 11 बजे शराब पीने को लेकर दो सगे भाइयों में विवाद हो गया। विवाद इस कदर बढ़ा की लाठी डंडे चल गए। मारपीट में एक पक्ष की महिला घायल हो गई। उन्हें दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने चार लोगों को मुचलके में पाबंद किया है।

गाजियाबाद। टीला मोड़ थाना क्षेत्र के पसौंडा के रघुवीर एन्क्लेव में शनिवार रात करीब 11 बजे शराब पीने को लेकर दो सगे भाइयों में विवाद हो गया। विवाद इस कदर बढ़ा की लाठी डंडे चल गए। मारपीट में एक पक्ष की महिला घायल हो गई। उन्हें दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने चार लोगों को मुचलके में पाबंद किया है।

पुलिस के मुताबिक, रघुवीर एन्क्लेव में दो सगे भाई सुरेंद्र और राजेंद्र परिवार के साथ रहते हैं। शनिवार रात दोनों के बीच शराब पीने को लेकर कहासुनी हो गया। विवाद इस कदर बढ़ा की दोनों लाठी-डंडे चल गए।

दोनों पक्षों के तीन लोग पकड़े

शोर शराबा होता देखकर दोनों परिवार आमने सामने आ गए। दोनों ओर से जमकर मारपीट हुई। चर्चा है कि छत से पथराव भी किया गया। इसमें एक बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। सूचना पाकर पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मारपीट में राजेंद्र के बेटे अमित की पत्नी लता घायल हो गई। अन्य को मामूली चोटें आई थीं। लता को परिवार के लोग दिल्ली के जीटीबी अस्पताल में ले गए। पुलिस ने मौके से भीड़ को हटाया। सुरेंद्र गौतम, उसके बेटे राधे गौतम और राजेंद्र उसके बेटे गौरव को गिरफ्तार कर लिया। सहायक पुलिस आयुक्त शालीमार गार्डन सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। लोगों को शांत कराया। दोनों पक्षों के तीन लोगों का शांति भंग की धारा में चालान किया गया है। चार लोगों को मुचलका पाबंद किया गया है।

इस कॉलेज में बिना गुरुजी चल रही जीव, रसायन विज्ञान और कॉमर्स की कक्षाएं, स्टूडेंट्स को सता रहा परीक्षा का डर

शासन की ओर से भले ही दावे किए जा रहे हो कि शिक्षा के क्षेत्र में क्रातिंकारी बदलाव हो रहे हैं लेकिन उनके दावों की पोल कॉलेज में प्रवक्ताओं की नियुक्ति नहीं होने से खुल रही है। मायावती के शासन काल में सुविधाओं के लेंस रहने वाला कॉलेज कई सालों से अपनी बदहाली से जूझ रहा है। यहां पर्याप्त टीचर न होने से छात्राओं को परेशानी हो रही है।

ग्रेटर नोएडा। यूपी बोर्ड की 22 फरवरी से परीक्षा शुरू हो रही है। परीक्षा के नजदीक आते ही सोनिया(बदला हुआ नाम) को डर लगने लगा है। रसायन व जीव विज्ञान के कई ऐसे टापिक अभी तक क्लियर नहीं हो पाए है,जिनसे परीक्षा में करीब 20 अंकों के सवाल पूछे जाएंगे। यह हाल केवल सोनिया का ही नहीं बल्कि कॉलेज की करीब 200 से अधिक छात्राओं का है। कुमारी मायावती बालिका राजकीय इंटर कॉलेज में सात साल से जीव, रसायन विज्ञान और कॉमर्स के प्रवक्ता नहीं होने से छात्राओं को हर साल संघर्ष करना पड़ रहा है। शासन की ओर से भले ही दावे किए जा रहे हो कि शिक्षा के क्षेत्र में क्रातिंकारी बदलाव हो रहे हैं, लेकिन उनके दावों की पोल कॉलेज में प्रवक्ताओं की नियुक्ति नहीं होने से खुल रही है। मायावती के शासन काल में सुविधाओं के लेंस रहने वाला कॉलेज कई सालों से अपनी बदहाली से जूझ रहा है। कॉलेज की ओर से इन विषयों को पढ़ाने के लिए निजी शिक्षकों को रखा गया है, लेकिन वह भी अपनी शर्तों के अनुसार पढ़ाने आते है। कभी दो घंटे तो किसी दिन आधे घंटे की क्लास लेकर चले जाते है। 12 हजार रुपये में कोई भी निजी शिक्षक रुकने को तैयार नहीं है।

आखिर इतनी आसानी से भाजपा हाईकमान का निर्णय कैसे मान गयीं वसुंधरा राजे?

रमेश सर्राफ धमोरा

चर्चा है कि अपने पुत्र दुष्यंत सिंह जो झालावाड़ सीट से चौथी बार सांसद हैं, उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर वसुंधरा राजे ने पार्टी आलाकमान के निर्णय के साथ रहने में ही अपनी भलाई समझी और उन्होंने चुपचाप पार्टी के निर्देशों का पालन किया।

राजस्थान में भाजपा विधायक दल के नेता के पद पर पहली बार विधायक बने भजनलाल शर्मा का चयन हो चुका है। भजनलाल शर्मा ने मुख्यमंत्री पद की व जयपुर राजघराने की दीया कुमारी तथा डॉक्टर प्रेमचंद बैरवा ने उपमुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण कर ली है। इसके साथ ही राजस्थान में विधिवत रूप से भाजपा की सरकार काम करने लग गयी है। भाजपा ने विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए भी अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी का नाम तय कर दिया है। निर्धारित प्रक्रिया के तहत उनका भी विधानसभा अध्यक्ष पद के लिए चयन हो जाएगा। राजस्थान में भाजपा के 115 विधायक जीत कर आए हैं। इसके साथ ही कई निर्दलीय विधायकों ने भी भाजपा को समर्थन देने के संकेत दिए हैं। ऐसे में भाजपा के नए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पांच साल तक सरकार चलाने में किसी तरह की दिक्कत नहीं होने वाली है।

भजनलाल शर्मा के नेता पद के चुनाव से पहले राजनीतिक विश्लेषक आशंका जता रहे थे कि पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे खुद के अलावा किसी अन्य के नाम पर सहमत नहीं होंगी। विधानसभा के चुनाव परिणाम आने के बाद से ही वसुंधरा राजे द्वारा अपने आवास पर विधायकों को बुलाकर लगातार शक्ति प्रदर्शन भी किया गया था। मगर जब रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पर्यवेक्षक बनकर जयपुर आए तो उन्होंने मात्र दो घंटों में ही भजनलाल शर्मा को अगला मुख्यमंत्री घोषित कर वसुंधरा राजे के पूरे खेल को ही बिगाड़ कर रख दिया था। इतना ही नहीं भजनलाल के नाम का प्रस्ताव भी वसुंधरा राजे से ही करवाया गया था। विधायक दल की बैठक के दौरान राजनाथ सिंह ने अपनी जेब से एक पर्ची निकालकर वसुंधरा को दी थी। जिस पर भजनलाल शर्मा का नाम लिखा था। राजनाथ सिंह द्वारा दी गयी पर्ची पर लिखे नाम को पढ़कर एक बार तो वसुंधरा सकपका गयी थीं। मगर बाद में उन्होने भजनलाल के नाम का प्रस्ताव कर दिया था।

लोगों का कहना है कि नेता पद के चयन से पहले वसुंधरा राजे व उनके समर्थक पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अशोक परनामी, पूर्व विधायक भवानीसिंह राजावत, प्रहलाद गुंजल जैसे कई नेता व विधायक लगातार कह रहे थे कि वसुंधरा राजे जैसी अनुभवी को ही प्रदेश में तीसरी बार मुख्यमंत्री बनाना चाहिए। प्रदेश की खराब वित्तीय स्थिति का सामना वसुंधरा राजे जैसी अनुभवी नेता ही कर सकती हैं। उनको दो बार सरकार चलाने का अनुभव है। वह पूरे प्रदेश से अच्छी तरह वाकिफ हैं। मगर वसुंधरा राजे के किसी भी समर्थक की एक भी नहीं सुनी गई और भजनलाल के नाम की घोषणा हो गई।

राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि जब जयपुर में वसुंधरा राजे विधायकों के साथ शक्ति प्रदर्शन कर रही थीं। तब उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह पर भी जयपुर के एक होटल में कुछ विधायकों की बाड़ेबंदी करने की खबरें आई थीं। तब भाजपा आलाकमान सतर्क हो गया और वसुंधरा राजे को दिल्ली बुलाया गया। दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व गृहमंत्री अमित शाह ने वसुंधरा राजे को दो टूक शब्दों में समझा दिया था कि इस बार उनको मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा रहा है। पार्टी नए लोगों को आगे करेगी ऐसे में आपको पार्टी का साथ देना चाहिए। चर्चा है कि पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा व अमित शाह ने वसुंधरा राजे को कड़ाई से कह दिया था कि वह एक लंबी राजनीतिक पारी खेल चुकी हैं। इसलिए अब उनको विश्राम करना चाहिए। यदि वह पार्टी के निर्णय के साथ रहेंगी तो उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह को पार्टी में आगे बढ़ाया जाएगा।

चर्चा है कि अपने पुत्र दुष्यंत सिंह जो झालावाड़ सीट से चौथी बार सांसद हैं, उनके राजनीतिक भविष्य को लेकर वसुंधरा राजे ने पार्टी आलाकमान के निर्णय के साथ रहने में ही अपनी भलाई समझी और उन्होंने चुपचाप पार्टी के निर्देशों का पालन किया। वसुंधरा राजे के पुत्र दुष्यंत सिंह चार बार के सांसद हैं तथा आगे उन्हें केंद्र सरकार में मंत्री बनाए जाने की भी संभावना व्यक्त की जा रही है। बहरहाल वसुंधरा राजे ने तो अपने पुत्र के मोह में पार्टी नेतृत्व के समक्ष हथियार डाल दिए हैं। मगर उनको मुख्यमंत्री बनाने की मांग को लेकर बारां अंता के विधायक कंवरलाल मीणा, कालीचरण सर्राफ, प्रताप सिंह सिंघवी, बहादुर सिंह कोली जैसे लोग खुलकर सामने आ चुके हैं। इससे उनकी छवि जरूर पार्टी नेतृत्व के सामने दागदार हुई है। हो सकता है आने वाले समय में उन्हें पार्टी द्वारा सरकार या संगठन में कोई जिम्मेदारी भी नहीं दी जाए। पार्टी आलाकमान के निर्देश पर ही वसुंधरा राजे भजनलाल शर्मा के मुख्यमंत्री पद का कार्यभार ग्रहण करते समय सचिवालय जाकर उनके सिर पर हाथ रखकर आशीर्वाद देते हुए फोटो भी खिंचवा कर आईं और ऑल इस वेल का सन्देश देने का प्रयास किया। वसुंधरा इतना सब अपने पुत्र कि खातिर ही कर रही हैं। वरना उनकी विद्रोही छवि व लड़ाकू स्वभाव से हर कोई वाकिफ है।

अब पार्टी ने भी उनके स्थान पर राजपूत नेता के तौर पर जयपुर राजघराने की दीया कुमारी को उपमुख्यमंत्री बना कर प्रदेश की राजनीति में आगे बढ़ा दिया है। दीया कुमारी उनकी तरह बड़े राजपरिवार की बेटी के साथ महिला भी हैं। दीया कुमारी राजसमंद से सांसद व दूसरी बार विधायक बनी हैं। उन्होंने विद्याधर नगर सीट पर राजस्थान में सबसे बड़ी जीत दर्ज की है। दूसरा उपमुख्यमंत्री अनुसूचित जाति के डॉ. प्रेमचंद बैरवा को बनाया गया हैं। जो वसुंधरा गुट के माने जाते थे। मगर अब बैरवा सरकार में शामिल हो गये हैं। इसी तरह अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर वसुंधरा के साथ रहने वाले विधायक भी अब एक-एक कर खिसकने लगे हैं।

> राजनीतिक हलकों में चर्चा है कि जब जयपुर में वसुंधरा राजे विधायकों के साथ शक्ति प्रदर्शन कर रही थीं। तब उनके सांसद पुत्र दुष्यंत सिंह पर भी जयपुर के एक होटल में कुछ विधायकों की बाड़ेबंदी करने की खबरें आई थीं। तब भाजपा आलाकमान सतर्क हो गया और वसुंधरा राजे को दिल्ली बुलाया गया। दिल्ली में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व गृहमंत्री अमित शाह ने वसुंधरा राजे को दो टूक शब्दों में समझा दिया था कि इस बार उनको मुख्यमंत्री नहीं बनाया जा रहा है। पार्टी नए लोगों को आगे करेगी ऐसे में आपको पार्टी का साथ देना चाहिए।

वसुंधरा राजे स्वयं इस समय पार्टी की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हैं। भाजपा में जिस तरह से आलाकमान प्रभावी है। उसको देखकर नहीं लगता है कि वसुंधरा राजे को आगे चलकर पार्टी में कोई और अधिक बड़ी जिम्मेदारी मिलेगी। मौजूदा संकेतों से तो वसुंधरा राजे का राजनीतिक भविष्य गुमनामी की ओर ही जाता दिख रहा है। उनके कई समर्थकों का इस बार टिकट भी काट दिया गया। मौजूदा हालात को देखकर तो लगता है कि आने वाले समय में वसुंधरा राजे के अन्य समर्थकों को भी पार्टी में प्रभावहीन कर दिया जाये तो किसी को आश्चर्य नहीं होगा।

बहरहाल, राजस्थान में जहां हर बार सरकार बदलने की परंपरा इस बार भी कायम रही है। वहीं एक बार वसुंधरा राजे, एक बार अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री बनने का सिलसिला टूट गया है। भाजपा ने वसुंधरा राजे के स्थान पर भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनकर पुरानी परंपराओं को समाप्त कर प्रदेश में एक नई राजनीति की शुरुआत की है। यह कितनी सफल रहेगी इसका पता तो आने वाले समय में ही चल पाएगा।

Hero Vida V1 इलेक्ट्रिक स्कूटर पर मिल रहा 31 हजार तक का बंपर डिस्काउंट, ऐसे उठाएं Year-End Discounts का लाभ

Hero MotoCorp के इलेक्ट्रिक कार ब्रांड Vida की ओर से अपने इलेक्ट्रिक स्कूटरों पर साल के अंत में जबरदस्त छूट ऑफर कर रही है। कंपनी द्वारा दी जा रही छूट में मॉडल के स्टिकर मूल्य पर 6500 रुपये की अग्रिम छूट 5000 रुपये का एक्सचेंज बोनस और 7500 रुपये का लॉयल्टी बोनस शामिल है। आइए पूरी खबर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। Hero MotoCorp के इलेक्ट्रिक कार ब्रांड Vida की ओर से अपने इलेक्ट्रिक स्कूटरों पर साल के अंत में जबरदस्त छूट ऑफर कर रही है। निर्माता अपनी इन दोपहिया ईवी पर 31,000 रुपये तक की छूट दे रही है। आइए, जान लेते हैं कि इन दोनों इलेक्ट्रिक स्कूटरों की खरीद पर कितनी बचत की जा सकती है।

Hero Vida और Vida V1 पर मिल रहा इतना डिस्काउंट

कंपनी द्वारा दी जा रही छूट में मॉडल के स्टिकर मूल्य पर 6500 रुपये की अग्रिम छूट, 5000 रुपये का एक्सचेंज बोनस और 7500 रुपये का लॉयल्टी बोनस शामिल है। इसके अलावा कंपनी 2500 रुपये की कॉर्पोरेट छूट, 1125 रुपये की सब्सक्रिप्शन स्कीम और 8259 रुपये की एक्सटेंडेड बैटरी वारंटी की पेशकश कर रही है।

इसके अलावा, Vida V1 के लिए फाइनेंस चाहने वालों को 5.99 प्रतिशत की ब्याज दर पर पैसा दिया जा रहा है। इसके अलावा जीरो प्रोसेसिंग फीस के साथ 2,429 रुपये से शुरू होने वाली ईएमआई पेश की गई है। Vida ने V1 के लिए Hero FinCorp, IDFC, Ecofy और NBFC के साथ साझेदारी की है।

V1 Pro और Vida V1 Plus में क्या खास?

Vida V1 Plus में 3.44 kWh की बैटरी लगी है, जो 143 किमी की दावा की गई रेंज प्रदान करती है। इसकी तुलना में, V1 Pro में एक बड़ा 3.94 kWh बैटरी पैक है, जो 165 किमी की रेंज क्लेम करता है। दोनों वेरिएंट में समान इलेक्ट्रिक मोटर है, जो 6 किलोवाट की अधिकतम शक्ति प्रदान करती है और V1 ई-स्कूटर को 80 किमी प्रति घंटे की अनुमानित टॉप स्पीड तक ले जाती है। ये इलेक्ट्रिक स्कूटर Ola और Ather के प्रोडक्ट्स को टक्कर देते हैं।

भारतीय बाजार में उपलब्ध हैं ये सस्ती स्क्रैंबलर, जानिए कीमत और खासियत

रॉयल एनफील्ड ने पिछले साल मार्च में हिमालयन पर आधारित Scram 411 को अधिक सुलभ हल्के और सड़क के अनुकूल संस्करण के रूप में पेश किया था और ये 2.08 लाख की एक्स शोरूम कीमत पर उपलब्ध है। आइए इस लेख में भारतीय बाजार के अंदर वर्तमान में बिक्री पर मौजूद 3 सबसे किफायती स्क्रैम्बलर के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय टू-व्हीलर मार्केट में सबसे ज्यादा कम्यूटर की मांग है। वहीं, दूसरी ओर एंट्री-लेवल स्क्रैम्बलर सेगमेंट में भी जबरदस्त उछाल आई है। इस सेगमेंट में कुछ ही विकल्प उपलब्ध हैं। आइए भारतीय बाजार में वर्तमान में बिक्री पर मौजूद 3 सबसे किफायती स्क्रैम्बलर के बारे में जान लेते हैं।

Royal Enfield Scram 411

रॉयल एनफील्ड ने पिछले साल मार्च में हिमालयन पर आधारित Scram 411 को अधिक सुलभ, हल्के और सड़क के अनुकूल संस्करण के रूप में पेश किया था। 2.08 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) की थोड़ी कम शुरुआती कीमत पर स्क्रैम 411 एक बहुत ही सक्षम ऑफ-रोड मशीन है। ये हिमालयन के समान 411cc, सिंगल-सिलेंडर, ऑयल और एयर-कूल्ड इंजन द्वारा संचालित है, जो 24.3 bhp की अधिकतम पावर और 32 Nm का पीक टॉर्क उत्पन्न करता है।

Yezdi Scrambler

Yezdi Scrambler अपने आप में एक बहुत ही सक्षम मशीन है। इंडियन मार्केट के अंदर इसकी मांग कम है, लेकिन स्क्रैम्बलर खरीदारों के लिए ये एक वैल्यू फॉर मनी ऑप्शन होने वाली है। Yezdi Scrambler की कीमतें 2.18 लाख रुपये से शुरू होती हैं और 2.18 लाख रुपये (दोनों एक्स-शोरूम) तक जाती हैं।

Triumph Scrambler 400 X

ट्रायम्फ स्क्रैम्बलर 400 एक्स भारत में स्क्रैम्बलर्स की सूची में नवीनतम प्रोडक्ट है। बजाज ऑटो द्वारा को-डेवलप्ड और निर्मित, इस मोटरसाइकिल को स्पीड 400 के समान आर्किटेक्चर और पावरट्रेन मिलता है। Scrambler 400 X की कीमत 2.63 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। इसमें 398cc सिंगल-सिलेंडर, लिक्विड-कूल्ड इंजन है, जो 39.5 bhp की शक्ति और 37.5 Nm टॉर्क पैदा करता है। इसे 6-स्पीड गियरबॉक्स के साथ जोड़ा गया है।

Kia EV9 इन खूबियों के साथ भारत में मारेगी एंट्री, अगले साल लॉन्च होगी ये 7-सीटर इलेक्ट्रिक कार

Kia ने पुष्टि की है कि उसकी थ्री-रो वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी Kia EV9 अगले साल 2024 में भारतीय बाजार में एंट्री करेगी। EV9 और EV6 के बाद ये कोरियाई ब्रांड की दूसरी इलेक्ट्रिक कार बन जाएगी और मास सेगमेंट में पहली तीन-रो EV भी होगी। किआ ने कहा कि EV9 भारत में पैसेंजर ईवी सेगमेंट में लगभग 15 प्रतिशत बाजार हिस्सेदारी हासिल करने के अपने लक्ष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

नई दिल्ली। कोरियाई ऑटो दिग्गज Kia ने पुष्टि की है कि उसकी थ्री-रो वाली इलेक्ट्रिक एसयूवी Kia EV9 अगले साल 2024 में भारतीय बाजार में एंट्री करेगी। कंपनी ने अगले साल के लिए अपनी भारत की योजनाओं का खुलासा करते हुए कहा है कि EV9 इलेक्ट्रिक कार को नई पीढ़ी की कार्निवल के साथ भारत में लॉन्च किया जाएगा।

Kia EV9 कब होगी लॉन्च?

Kia EV9 इलेक्ट्रिक एसयूवी को इससे पहले जनवरी में आयोजित ऑटो एक्सपो के दौरान कॉन्सेप्ट फॉर्म में भारत में प्रदर्शित किया गया था। बाद में इसे किआ के डोमेस्टिक बेस सहित कुछ वैश्विक बाजारों में लॉन्च किया गया। किआ ने पहले कहा था कि वह 2025 तक भारत में EV9 लॉन्च करेगी। कार निर्माता ने कहा था कि वह अगले तीन वर्षों में तीन नए मॉडल लॉन्च करने की योजना बना रही है, जिसमें दो नए इलेक्ट्रिक वाहन भी शामिल हैं।

कंपनी का फ्यूचर प्लान

किआ ने पिछले साल भारत में अपनी पहली इलेक्ट्रिक कार EV6 लॉन्च की थी। अब ब्रांड का लक्ष्य अधिक पेशकशों के साथ ईवी सेगमेंट में अपनी स्थिति मजबूत करना है। समाचार एजेंसी पीटीआई ने किआ इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ ताए-जिन पार्क के हवाले से कहा, ₹2025 में हम बड़े पैमाने पर ईवी का स्थानीय उत्पादन शुरू करेंगे और फिर हर साल हम इलेक्ट्रिक मॉडल पेश करते रहेंगे।₹

Kia EV9 में क्या खास?

Kia EV9 इलेक्ट्रिक ग्लोबल मॉड्यूलर प्लेटफॉर्म (E-GMP) पर आधारित होगी, जो कार निर्माता की पहली इलेक्ट्रिक कार EV6 पर भी आधारित है। आपको बता दें कि EV9 की लंबाई 5 मीटर है। ये 6 या 7-सीट कॉन्फिगरेशन में उपलब्ध होगी और ये दो वेरिएंट-एचटी लाइन और जीटी लाइन में पेश की जाएगी।

किआ के मुताबिक EV9 सिंगल चार्ज में 541 किलोमीटर तक की रेंज देगी। वहीं ये 150 किलोवाट की इलेक्ट्रिक मोटर के साथ 9.4 सेकंड में 0-100 किमी प्रति घंटे की रफ्तार पकड़ सकती है। Kia EV9 का RWD वर्जन होगा, जो ज्यादा पावरफुल 160 किलोवाट इलेक्ट्रिक मोटर के साथ आएगा। ईवी में 800 वोल्ट का इलेक्ट्रिकल आर्किटेक्चर है, जो ईवी को अल्ट्रा-फास्ट स्पीड से चार्ज करने में सक्षम बनाता है। किआ का दावा है कि EV9 सिर्फ 15 मिनट की चार्जिंग में 239 किलोमीटर चल सकती है।

‘वेड इन इंडिया’ का आर्थिक अध्याय

डा. जयंती लाल भंडारी

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय देश के संपन्न वर्ग के लोगों के बीच ‘डेस्टिनेशन वेडिंग’ के लिए विदेश जाना चलन बन गया है। ऐसे में यदि शादी के उत्सव को भारत की धरती पर, भारत के लोगों के बीच मनाएंगे, तो देश का पैसा देश में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि शादियों के लिए खरीददारी करते समय भी सभी को केवल भारत में बने उत्पादों को ही महत्त्व देना चाहिए।

इसके साथ-साथ इस संभावना को भी साकार किया जा सकता है कि विदेशों में रह रहे भारतीय समुदाय के साथ भारत में विभिन्न कारणों से भ्रमण के इच्छुक विदेशी भी अपने परिवारों के सदस्यों के विवाह के लिए भारत को अपना डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल बनाना पसंद करें। इससे जहां वेडिंग डेस्टिनेशन से जुड़े विभिन्न उद्योग-कारोबार आगे बढ़ेंगे, वहीं इनमें रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। ऐसे में भारत में डेस्टिनेशन वेडिंग भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अपना अहम योगदान देते हुए दिखाई देगी‘

हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय देश के संपन्न वर्ग के लोगों के बीच ‘डेस्टिनेशन वेडिंग’ के लिए विदेश जाना चलन बन गया है। ऐसे में यदि शादी के उत्सव को भारत की धरती पर, भारत के लोगों के बीच मनाएंगे, तो देश का पैसा देश में ही रहेगा। उन्होंने कहा कि शादियों के लिए खरीददारी करते समय भी सभी को केवल भारत में बने उत्पादों को ही महत्त्व देना चाहिए। मोदी ने कहा कि अब देश को मेक इन इंडिया की तर्ज पर वेड इन इंडिया जैसे आंदोलन की जरूरत है। गौरतलब है कि देश में इस समय विवाह समारोहों के आयोजन यानी वेडिंग से जुड़ा कारोबार करीब 5 लाख करोड़ रुपए का है। इस वेडिंग कारोबार में 15-17 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी भी हो रही है। चूंकि शादी को कुछ खास अंदाज में करने के लिए देश के बाहर डेस्टिनेशन वेडिंग का चलन अब मध्यवर्गीय परिवारों में भी देखा जा रहा है और खास तौर से कोरोना काल के बाद युवा विदेशों में डेस्टिनेशन वेडिंग करना ज्यादा पसंद कर रहे हैं, ऐसे में वेड इन इंडिया आंदोलन को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाकर भारत के वेडिंग कारोबार और इसमें रोजगार को नई ऊंचाइयां दी जा सकती हैं। उल्लेखनीय है कि देश के अमीर वर्ग के लोग देश में ही डेस्टिनेशन वेडिंग को अपनाएं तथा दूसरी ओर विदेशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के लोग भी भारत में डेस्टिनेशन वेडिंग की ओर आकर्षित हों, तो इसके लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। यह बात प्रचारित-प्रसारित करनी होगी कि जिस तरह विदेश में डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए जो तैयारी होती है, उससे कम मूल्य में और गुणवत्तापूर्ण ढंग से वे तैयारियां बहुत कुछ भारत में भी हैं।

भारत में भी शिक्षित-प्रशिक्षित वेडिंग प्लानर उपलब्ध हैं। वेडिंग प्लानर वेडिंग के आयोजकों के साथ मिलकर न सिर्फ विवाह समारोह के लिए आयोजन की पूरी प्लानिंग करता है, वरन उस योजना को खास रूपरेखा प्रदान कर अंतिम रूप भी देता है। इनके द्वारा डेस्टिनेशन वेडिंग से लेकर शादी की विभिन्न रस्मों की आकर्षक थीम और लजीज खानपान की व्यवस्था को खूबसूरत अंजाम दिया जाता है। डेस्टिनेशन वेडिंग के तहत शादी के निमंत्रण पत्र की डिजाइनिंग से लेकर, गिफ्ट पैकिंग और वेन्यू तय करने से लेकर बारात का स्वागत करने तक का सारा भार अलग-अलग वेडिंग कारोबार के विशेषज्ञों के द्वारा पूरा होता है। चूंकि आजकल लोगों के पास समय की बहुत कमी है और उनकी महत्वाकांक्षाएं बहुत ज्यादा होती हैं, आज हर कोई बिना तनाव एवं परेशानी लिए बेहतरीन वैवाहिक व्यवस्था करना चाहता है। इतना ही नहीं, विवाह के हर पहलू जैसे डेकोरेशन, संगीत, मेहंदी की रस्म, भोजन की व्यवस्था और दूल्हा-दुल्हन के परिधान आदि सब पर भी खास ध्यान दिया जाता है, ये सारी ऐसी व्यवस्थाएं हैं जो भारतीय वेडिंग प्लानर्स के द्वारा कुशलतापूर्वक पूरी की जा रही हैं और इससे विवाह में शामिल होने वाले मेहमानों के चेहरे पर भी खुशियां बनी रहती हैं। साथ ही वेडिंग प्लानर होने से शादी से संबंधित किसी कार्य के लिए परेशान नहीं होना होता है तथा विवाह में केवल सज-धज कर पहुंचना होता है। चूंकि विवाह समारोह जिस तरह वर्तमान समय में सामाजिक संस्कार के साथ-साथ व्यक्ति की प्रतिष्ठा का भी पर्याय बन गया है, साथ ही वर्तमान में विवाह से जुड़ी प्रत्येक चीज ट्रेंडी या विशिष्ट हो गई है, लेकिन परंपरा को बनाए रखने की चाह भी नहीं मिटी है। इसी वजह से आधुनिकता व परंपरा का समन्वय एक फैशन भी बन गया है। ऐसे में यदि भारत में संस्कार और संस्कृति के मूल्यों के साथ डेस्टिनेशन वेडिंग के अभियान को आगे बढ़ाया जाए तो संपन्न वर्ग के लोगों में विदेशों में डेस्टिनेशन वेडिंग की बढ़ती हुई संख्या को सीमित किया जा सकता है, साथ ही विदेशों से भी भारत में डेस्टिनेशन वेडिंग को बढ़ाया जा सकता है। निश्चित रूप से जहां एक ओर भारतीयों का विदेशों में विवाह आयोजनों का तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू वेडिंग उद्योग के मद्देनजर नुकसान की तरह है, वहीं देश के विदेशी मुद्रा कोष को घटाने वाला भी है। ऐसे में सरकार और देश के वेडिंग आयोजनों से जुड़े निजी सेक्टर को रणनीतिक रूप से ध्यान देना होगा कि इस समय देश के जो वेडिंग डेस्टिनेशन आकर्षक बने हुए हैं, उन्हें और उपयुक्त बनाकर संपन्न वर्ग को लुभाया जाए। इनमें दिल्ली-एनसीआर, आगरा, उदयपुर, जयपुर, जोधपुर, मंसूरी, देहरादून, गोवा, अलवर, लवासा, पुणे, वाराणसी, ऋषिकेश, अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा, राजकोट, आनंद, भावनगर, वायनाड, कोझिकोड, अर्नाकुलम, मांडू, उज्जैन तथा इंदौर जैसी लोकप्रिय वेडिंग डेस्टिनेशन शामिल हैं। इसके साथ-साथ सरकार को इस ओर भी ध्यान देना होगा कि देश में जो चमकीले अनोखेपन वाले पर्यटन केंद्र हैं, उनके आसपास वर्तमान वेडिंग डेस्टिनेशन को विकसित किया जाए और नए वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए बुनियादी ढांचे की सुविधाओं पर ध्यान दिया जाए। ज्ञातव्य है कि भारत की संस्कृति, संगीत, हस्तकला, खानपान से लेकर नैसर्गिक सुंदरता हमेशा से लोगों को आकर्षित करती रही हैं।

भारत एक ऐसा देश है जिसके पास हिमालय का सबसे अधिक हिस्सा, विशाल समुद्री तट-रेखा और रेत का रेगिस्तान, कच्छ में सफेद नमक रेगिस्तान, लद्दाख में ठंडे रेगिस्तान, देश के कोने-कोने में टाइगर रिजर्व समेत अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान जैसी प्राकृतिक विविधताएं हैं। देश के विभिन्न भागों में तटीय पर्यटन, समुद्र तट पर्यटन, हिमालय पर्यटन, साहसिक पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, वन्यजीव पर्यटन, पर्यावरण पर्यटन, विरासत पर्यटन से जुड़े क्षेत्रों के नजदीक वेडिंग डेस्टिनेशन के लिए व्यापक बुनियादी ढांचे और अन्य पर्यटन सुविधाओं को नई वेडिंग सोच के साथ आकार दिया जाना होगा। बेहतर सडक़, रेल और हवाई संपर्क से भी देशी-विदेशी विवाह आयोजनों के इच्छुकों को बढ़ाना होगा। वेडिंग डेस्टिनेशन सेक्टर को अधिक जीवंत बनाने के लिए ऐसी रणनीति के साथ आगे बढऩा होगा जिससे देशी-विदेशी विवाह आयोजन के इच्छुक ऐसे डेस्टिनेशन को वेडिंग के लिए अधिक यादगार, लाभप्रद और सुगम अनुभव करें। वेडिंग डेस्टिनेशन को पुष्पित-पल्लवित करने वाले इन सभी कार्यों के लिए केंद्र सरकार, राज्यों और स्थानीय निकायों को समन्वित रूप से साथ मिलकर काम करना होगा। यदि इन सभी बातों पर रणनीतिपूर्वक ध्यान दिया जाए तो निश्चित रूप से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमीर लोगों से देश के भीतर ही डेस्टिनेशन वेडिंग करने के लिए जिस ‘वेड इन इंडिया’ जैसे आंदोलन की जरूरत बताई है, उसे सफलतापूर्वक साकार होने की पूरी संभावनाएं हैं। इसके साथ-साथ इस संभावना को भी साकार किया जा सकता है कि विदेशों में रह रहे भारतीय समुदाय के साथ भारत में विभिन्न कारणों से भ्रमण के इच्छुक विदेशी भी अपने परिवारों के सदस्यों के विवाह के लिए भारत को अपना डेस्टिनेशन वेडिंग स्थल बनाना पसंद करें। इससे जहां वेडिंग डेस्टिनेशन से जुड़े विभिन्न उद्योग-कारोबार आगे बढ़ेंगे, वहीं इनमें रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे। ऐसे में भारत में डेस्टिनेशन वेडिंग भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अपना अहम योगदान देते हुए दिखाई देगी। यह एक अलग तरह का अनुभव होगा जो युवाओं को रोजगार भी देगा।

संपादक की कलम से

बेरोजगारी पर आम चुनाव!

संसद में घुसपैठ के संदर्भ में बेरोजगारी, मुद्रास्फीति और महंगाई के मुद्दे उठाए जा रहे हैं। खासकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा है कि बेरोजगारी ने युवाओं को ऐसा कदम उठाने को विवश किया है कि उन्होंने संसद में ही घुसपैठ की। उन्होंने सवाल किया है कि नौकरियां कहां हैं? भर्तियां क्यों रुकी हुई हैं? कमोबेश सरकार अपना वायदा निभाए और नौजवानों को नौकरियां मुहैया कराए। कांग्रेसी सूत्रों ने खुलासा किया है कि राहुल गांधी अगले माह संभवतः पूर्वोत्तर से एक और यात्रा की शुरुआत कर सकते हैं। यात्रा का बुनियादी फोकस बेरोजगारी पर होगा। महंगाई का भी प्रसंगवश उल्लेख किया जाएगा। कांग्रेस के रणनीतिकारों का विश्लेषण है कि लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बेरोजगारी का मुद्दा महत्त्वपूर्ण साबित होगा और पार्टी को चुनावी फायदा भी मिल सकता है। राहुल गांधी महसूस करते हैं कि बेरोजगारी एक भावनात्मक मुद्दा है, लिहाजा उसके मद्देनजर लोगों से आसानी से जुड़ा जा सकता है। लोगों को लामबंद करके भी एक आंदोलननुमा स्वरूप दिया जा सकता है। लोकसभा में दो युवकों की घुसपैठ के लिए बेरोजगारी को ही बुनियादी कारण नहीं माना जा सकता, यह हमारा दृष्टिकोण है। यह सिर्फ राजनीति का ही मुद्दा नहीं है, बल्कि संसद के जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़ा है, लिहाजा बेरोजगारी की समस्या का इतना सामान्यीकरण करना भी उचित नहीं है। दिसंबर, 2023 में बेरोजगारी की राष्ट्रीय दर 8.8 फीसदी आंकी गई है। अक्तूबर में यह दो साल के उच्चतम स्तर 10.09 फीसदी पर थी। उससे पहले यह दर 7 फीसदी के करीब रही है। यह कोई सामान्य दर नहीं है। आंकड़ों का संग्रह और उनके विश्लेषण के जरिए बेरोजगारी का यह निष्कर्ष ‘सेंटर फॉर मॉनिटरिंग इंडियन इकोनॉमी’ (सीएमआईई) का है। बेशक सत्ता-पक्ष इस विश्लेषण को खारिज कर सकता है, लेकिन यह स्वायत्त थिंक टैंक 1976 से इसी काम में संलग्न है।

दुनिया के बड़े देश, आर्थिक मंच और औद्योगिक संस्थान भी सीएमआईई के आंकड़ों और निष्कर्षों के आधार पर, भारत के बारे में, अपना नजरिया तय करते हैं। यदि सीएमआईई ने बेरोजगारी की दर 8.8 फीसदी आंकी है और यह स्थापना दी है कि शहरों में गरीब ज्यादा गरीब होते जा रहे हैं, गांवों में बेरोजगारी दर अधिक है, तो ये आंकड़े चौंकाने वाले हैं, क्योंकि दूसरी तरफ भारत सरकार की ‘विकसित भारत संकल्प यात्रा’ जारी है। विख्यात अर्थशास्त्री एवं भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर रघुराम राजन का भी विश्लेषण गौरतलब है कि यदि भारत की विकास दर 6 फीसदी के आसपास ही बनी रही, तो 2047 में भी भारत ‘निम्न-मध्य वर्ग का देश’ बना रहेगा, बेशक उसकी आबादी के कारण जीडीपी का विस्तार होता रहे। बहरहाल भारत में 25 साल की उम्र तक के 42 फीसदी युवा स्नातक बेरोजगार हैं। 25-29 के आयु-वर्ग में यह बेरोजगारी करीब 23 फीसदी है। भारत दुनिया का सबसे युवा देश है, जिसकी 65 फीसदी आबादी की औसत उम्र 35 साल से कम है। ऐसा न हो कि जो आबादी हमारी ताकत मानी जाती है, वही अंततः आपदा साबित हो! बीते तीन साल में करीब 32,000 लघु, मध्यम, सूक्ष्म उद्यम बंद हुए हैं। उनमें जो काम करते थे, आखिर वे कहां गए हैं? क्या वे सभी बेरोजगार हो गए? नवंबर, 2023 तक प्रधानमंत्री मोदी की घोषणा के संदर्भ में 7 लाख से अधिक युवाओं को नियुक्ति-पत्र दिए जा चुके हैं। उसके बावजूद केंद्र सरकार में करीब 9.64 लाख पद रिक्त हैं। उन्हें क्यों नहीं भरा जा सकता? यह सवाल आज तक अनुत्तरित रहा है। सीएमआईई की रपट के मुताबिक, 20-34 उम्र के 35 करोड़ से अधिक लोगों को नौकरी की अपेक्षा है। हम मानते हैं कि सरकार सभी नागरिकों को सरकारी नौकरी नहीं दे सकती, बेशक सरकार किसी भी पार्टी की हो। मोदी सरकार ने करोड़ों मुद्रा लोन दिए हैं। देश में हवाई अड्डे 147 हो गए हैं। करीब 150 मोबाइल बनाने के कारखाने हैं। करीब 37 किलोमीटर सडक़ औसतन हररोज बनाई जाती है। इनमें मिले रोजगारों की गिनती भी होनी चाहिए।

राय

छोटे से हिमाचल के महाभारत

क्या हिमाचल अपने अस्तित्व की फिर से खोज करेगा या राजनीतिक अखाड़ों की महत्त्वाकांक्षा में ये घाव यूं ही छुपा लिए जाएंगे। हमारा मुकाबला स्वयं से है, लेकिन स्वयंसिद्धि के शिकार होकर खुशफहमी है कि हम ही विजय हैं और हम ही शंखनाद हैं। हम कैसा समाज हैं जो अतृप्त मूल्यांकन में सिर्फ सरकार के फर्ज को अपनी कसौटी का माध्यम बनाते हैं। ऐसे में सरकारें ढोलकी बन जाती हैं और हम तब तक इसकी ध्वनि में ऊंचे सुर की घोषणाएं सुनते हैं, जब तक यह परिदृश्य से हट न जाएं। सरकारों के आने से कहीं अधिक जाने की तमन्ना में हम कर्मचारी हैं, बेरोजगार हैं और हैं ऐसे नागरिक जिन्हें सुरमयी घोषणाएं चाहिएं। हम हर सरकार के पहले कदम से उसकी अंतिम राह तक केवल एक ख्वाहिश हैं, विरोध हैं या तलवे चाटने वाले लोगों का ऐसा समूह जो हर तरह की राजनीति में ‘सत्ता पक्ष’ का माफिया हो जाता है। उसके पास ऐसी मंडलियां-जुंडलियां हैं जिनके तहत कर्मचारियों के स्थानांतरण अनवरत शर्तों के तहत स्थायी ढंग से चलते रहते हैं। वह कर्मचारी नेता हो सकता है जिसे कार्यसंस्कृति नहीं, अव्यवस्था को कायम करते हुए ऐसे गतिरोध बनाने हैं ताकि सरकारों के घुटने छिलते रहें और वह अपने हुनर में पारंगत नजर आए। वह अब औद्योगिक क्रांति में बीबीएन के स्क्रैप जैसा हो गया है, जो चुपचाप कहीं अंधेरों के तराजू में खुद को तोलता है। वह सडक़ की पैमाइश में, कोलतार की बिछाई में या नई इमारतों की लंबाई में माप रहा है सरकार के अपव्यय को या उधार में ढलते विकास को। एक मुकाबला है अब हिमाचल में या इसकी तरक्की के श्रृंगार में वह सभी कुछ है, जिससे लाभान्वित कुछ लोग चमक रहे हैं। अब विभागीय कसरतों में न बाबू, न अधिकारी और न ही नौकरशाह किसी जमीन पर चल रहे हैं, बल्कि कोई न कोई ठेकेदार रेत छान रहा है या कोई जेसीबी मशीन कटते पहाड़ को अपनी विजयी पताका पहना रही है। है तरक्की हमारी गली तक भी, लेकिन गड्ढों को हमने छुपा लिया। छोटे से हिमाचल में और कितने महाभारत होंगे। कितनी बार सरकारें डूबेंगी और हम युद्धरत लोग हर महाभारत के एक नए कुरुक्षेत्र में अपने-अपने आक्रोश को धारदार बना कर उन्हीं पत्तों को फेंट रहे होंगे। वो अमली हैं, लेकिन नशे में हम हैं जिन्हें मालूम भी नहीं कि सुबह के लिए महज एक रोशनी की जरूरत है। रोशनी की तलाश में यकीनन सरकारों ने कुछ सफर तय किया है, वरना पर्वतीय राज्यों में हिमाचल का नाम न होता, लेकिन अब नए संतुलन, नए आकलन और नई समीक्षाओं की जरूरत है। बेशक मौजूदा सरकार की बनावट-लिखावट में कई इरादे, नए वादे, नए संकल्प और नई कसरतें चल रही हैं, लेकिन जिन पत्थरों को हटाने की जरूरत है, वे रास्तों पर बिखरे हैं। यानी कसीदे शिमला से लिखे जा सकते हैं, लेकिन हिमाचल की अस्मिता के शब्द पूरे हिमाचल की तस्वीर में छुपे बैठे हैं या क्यों रूठे रूठे से हो जाते हैं तेरी महफिल के नगमे। एक साल बाद व्यवस्था परिवर्तन के नजराने बहुत होंगे, मगर प्रदेश को बदलने के लिए ये तराने पुराने से लगते हैं। हमारे सामने नई योजनाएं उस मंच की तहरीर हो गईं, जिन्हें हमने अपनी पलकें बिछा कर बुना था। हिमाचल को अपनी शून्यताओं से उबर कर आत्मनिर्भर होना है, तो हर रुपए को साबित करना है कि दर्द उसके भी सीने में यही है। हमने आयोजन किए, एक इन्वेस्टर मीट भी कर ली थी, लेकिन कौन आया हमारे चिराग को जलाने। धुआं-धुआं घोषणाओं में हमारी आर्थिक बेडियों को सहलाने कौन आया। बदलने होंगे इजहार के रास्ते, व्यवहार के रास्ते, वरना इस शहर के फूलों पर किसी का कब्जा रहेगा। फिर निवेश की राह पर वर्तमान सरकार हाथ-पांव मार रही है, लेकिन क्या हम हिमाचली निवेशक यानी निजी क्षेत्र के साथ खड़े होते हैं। हमारी हैसियत आज भी सरकारी क्षेत्र के सेवारत या रिटायर्ड करीब साढ़े चार लाख कर्मचारियों की पूजा कर रही है, जबकि निजी क्षेत्र के रोजगार में पच्चीस लाख लोगों की शिनाख्त नहीं हो रही।

शव संवाद-22

यह गोबर बिका हुआ है। आवारा गाय से कहीं कीमती हो रहा है। अब गोबर साधारण नहीं, इसलिए बिकेगा। आज के शासन तंत्र में कब कौनसी शह असाधारण होकर बिक जाए, इसका अंदाजा लगाना आसान नहीं। गोबर खरीदने की भी लत है। धीरे-धीरे एक राज्य से निकल कर दूसरे को लग रही है। इसमें कितना सियासी, कितना सामाजिक और कितना शासन का है, यह गोबर को भी मालूम नहीं। इधर गाय प्रफुल्लित और विश्वस्त है कि उसका कम से कम गोबर निकम्मा नहीं। जो सरकारें कल तक किसान से दूध खरीद नहीं पा रही थीं, वे गोबर के उचित दाम देने को तैयार हैं। इससे पहले गोबर खुद को बेरोजगार-आवारा मानकर कहीं भी बिखर जाता था, लेकिन अब यह सलीकेदार हो गया है। यह वहीं होता है जहां इसकी कीमत बढ़ती है। सरकारी दफ्तरों के बाहर गोबर खरीदती सरकार को देखकर भीतर की फाइलों को एतराज होने लगा है। फाइलें अब गोबर से मुकाबला करने के लिए एकजुट हो गईं यानी यह उनके भीतर गोबर शक्ति का प्रकटीकरण है। यह उनकी शान के खिलाफ है कि उनके सामने कहीं गाय का गोबर बाजी मार जाए, इसलिए हक के साथ कहने लगी हैं, ‘हमने कई सरकारों के साथ मिलकर दफ्तर और दफ्तर की कार्यसंस्कृति को गोबर बनाया है। हम सारी बहनें सिर्फ गोबर ही तो कर रही हैं। लगभग हर योजना का गोबर हम बनाती हैं, बल्कि हर सरकार अब हमारे सान्निध्य में गोबर हो सकती है। अत: हमारे भीतर के गोबर को पहचान कर सरकार गारंटी दे कि दफ्तर की फाइल जो भी पैदा करे, उसे गोबर के भाव खरीदा जाएगा।’

इसी दफ्तर में वर्षों से बुद्धिजीवी भी चक्कर काट रहा है। दफ्तर की फाइल, दफ्तर के नियम, दफ्तर की शैली को देख और झेल कर वह अनपढ़ होना सीख गया है। यह प्रक्रिया बहुत ही कठिन, लेकिन जरूरी है कि किसी भी दफ्तर में काम कराने से पहले आपको अपने भीतर के ज्ञान और सारी मर्यादा को शून्य करना पड़ता है। यह इसलिए कि दफ्तरों की कुर्सियां चौकन्नी हैं कि कहीं कोई बुद्धिजीवी बनकर उनके ऊपर न बैठ जाए। पढ़े-लिखों को अनपढ़ बनाकर ही दफ्तर काम करने का सलीका और तरीका समझा पाता है, इसलिए बुद्धिजीवी ने घाट-घाट का भारतीय पानी पीकर अनपढ़ होना सीख लिया है। वह जब-जब अनपढ़ बनता, दफ्तर उसे भी कमाने और खाने का मौका देता। बुद्धिजीवी ने अनपढ़ होने के सबूत देते हुए दफ्तर से ही पूछा कि वह गोबर कहां बेचे। दरअसल वह दफ्तर की पार्किंग में बैठी शहर की आवारा गायों का गोबर उठाकर उसी दफ्तर को बेचना चाहता था। बाबू को उसकी योजना पसंद आई और वह बातों ही बातों में कब बुद्धिजीवी के विचारों का पार्टनर बन गया, पता ही नहीं चला। कुछ दिन गोबर बिका और दफ्तर की गोबर बन चुकी फाइल ने उसे एडवांस में खरीद भी लिया। यानी पार्किंग में जितना गोबर नहीं था, उससे कहीं अधिक फाइल खरीद रही थी। गोबर सने हाथों की वजह से पहली बार बुद्धिजीवी सरकार के फैसले से खुश था, लेकिन कुछ दिनों में ही गोबर उदास हो गया। जिस गोबर की चर्चा करके बुद्धिजीवी पहली बार सफल हुआ, उसी से माहौल बिगड़ गया। बुद्धिजीवी सभी गायों के गोबर को एक साथ मिला कर बेच रहा था, लेकिन अचानक दफ्तर की एक फाइल ने चुपके से देख लिया कि वहां तो गायों को पालने वाले अलग-अलग धर्म के लोग थे। बुद्धिजीवी के हिस्से आया गोबर दूसरे धर्म के घर में पलती रही गाय का था। फाइल ने इस गोबर को बिकने के बजाय मरने के लिए छोड़ दिया। मरे हुए गोबर ने बुद्धिजीवी को समझाया कि भले ही गोबर का कोई धर्म नहीं होता, लेकिन जब गाय बिक कर गैर मजहब को दूध पिला देती है, तो गोबर को सजा मिलती है। देश का दूध आज तक नहीं बता पाया कि वह किस धर्म का है, लेकिन गोबर अगर विरोधी धर्म के घर से आया तो मारा जाएगा। अब सत्ता पक्ष के लिए बुद्धिजीवी भी दूसरे धर्म का गोबर ही तो है, उसे अपने धर्म के पशुओं के गोबर की खास पहचान या गंध मालूम ही नहीं। -क्रमशः

निर्मल असो

विचार

शौर्य व पराक्रम की दास्तान बसंतर युद्ध

पश्चिमी मोर्चे पर भयंकर जंग में सेना की ‘नौ पंजाब’ बटालियन ने अमृतसर के नजदीक ‘रानियां’ क्षेत्र में पाकिस्तान की 18वीं फ्रंटियर फोर्स व पाक टैंकों के एक बड़े हमले को पांच दिसंबर 1971 के दिन सरहद के उस पार ही ध्वस्त कर दिया था। युद्ध में विशिष्ट वीरता के लिए मेडल दिए गए‘

बेशक भारत-पाक सेनाओं के दरम्यान सन् 1971 की शदीद जंग पूर्वी पाकिस्तान के महाज पर लड़ी जा रही थी, मगर पाकिस्तान के हुक्मरानों ने जम्मू-कश्मीर को हथियाने की हसरत कभी नहीं छोड़ी और भारतीय सैन्य पराक्रम के आगे पाक जरनैलों के ख्वाबों की यह ताबीर एक मुद्दत से मुकम्मल नहीं हुई और न ही होगी। तीन दिसंबर 1971 को पाक वायुसेना ने भारतीय हवाई अड्डों पर हमले करके युद्ध का आगाज कर दिया था। पाक सेना का मंसूबा यह था कि भारत के पश्चिमी क्षेत्रों व जम्मू-कश्मीर पर हमला करके युद्ध का दायरा बढ़ाया जाए, ताकि आलमी सतह पर भारत की तत्कालीन हुकूमत पर कश्मीर मसले के समझौते के लिए दबाव बनाया जा सके। इस मंसूबे का जिक्र पाकिस्तान के साबिक मे. ज. ‘फजल मुकीम खान’ ने अपनी किताब ‘पाकिस्तान क्राइसिस इन लीडरशिप’ में किया था। पाकिस्तानी सिपाहसालार ले. ज. ‘इरशाद अहमद खान’ की कयादत में पाक सेना की ‘प्रथम कोर’ सियालकोट से बसंतर के रास्ते जम्मू-कश्मीर पर हमला करने की तैयारी कर रही थी। मगर इससे पहले कि पाक फौज पंजाब सीमा पर कोई हिमाकत करती, भारतीय सेना ने चार दिसबंर 1971 को पाकिस्तान के ‘शकरगढ़’ सेक्टर में हमला करके पाक जरनैलों की पूरी तजवीज को नेस्तनाबूद कर दिया था।

पश्चिमी मोर्चे पर लड़े गए उस युद्ध को ‘बसंतर युद्ध’ के नाम से जाना जाता है। सेना की ‘18 राजपूताना राइफल’ ने आठ दिसंबर 1971 को शकरगढ़ में हमला करके पाक सेना की पेशकदमी को ध्वस्त कर दिया था। उस हमले में मेजर ‘राजेंद्र सिंह राजावत’ ‘वीर चक्र’ ने अपना सर्वोच्च बलिदान दिया था। बसंतर नदी के किनारे 15 दिसंबर 1971 को जरपाल कस्बे पर कब्जा करने में सेना की ‘तीन ग्रेनेडियर्स’ बटालियन ने अहम किरदार निभाया था। युद्ध में तीन ग्रेनेडियर्स की एक कंपनी का नेतृत्व मेजर ‘होशियार सिंह’ कर रहे थे। भीषण गोलीबारी के बीच जख्मी होने के बावजूद मे. होशियार सिंह ने अपने जवानों के साथ मिलकर पाक सेना की ‘35वीं फ्रंटियर फोर्स’ के एक बड़े हमले को नकारा करने में अदम्य साहस का परिचय दिया था। बसंतर युद्ध में शत्रु की लाशें बिछाकर तीन ग्रेनेडियर्स के 33 सैनिक वीरगति को प्राप्त हो गए थे। जंग में उच्चकोटी के सैन्य नेतृत्व के लिए मेजर होशियार सिंह को सर्वोच्च सैन्य पदक ‘परमवीर चक्र’ से अलंकृत किया गया था। सन् 1971 की जंग के एकमात्र जीवित ‘परमवीर चक्र’ विजेता मे. होशियार सिंह ही थे। शकरगढ़ के उसी युद्ध में पाक सेना ने अमेरिका से खैरात में मिले पैटन टैंकों से भारतीय पोजिशन पर हमला किया था। पाक टैंकों का सामना करने के लिए कर्नल ‘हनुत सिंह राठौर’ की कमान में सेना की टैंक रेजिमेंट ‘पूना हार्स’ बसंतर के रण में मुस्तैद थी।

कर्नल हनुत सिंह व ले. ‘अरुण खेत्रपाल’ के नेतृत्व में पूना हार्स ने जोरदार पलटवार करके पाकिस्तान की 13वीं लांसर्स के टैंकों को कब्रिस्तान में तब्दील कर दिया था। अरुण खेत्रपाल ने अपने टैंक से अकेले ही शत्रु के चार टैंकों को नष्ट करके रणभूमि में शहादत को गले लगा लिया था। युद्ध में उच्चकोटि की शूरवीरता के लिए ले. अरुण खेत्रपाल को ‘परमवीर चक्र’ (मरणोपरांत) से नवाजा गया था तथा ‘फक्र-ए-हिंद’ कर्नल हनुत सिंह राठौर को ‘महावीर चक्र’ से सरफराज किया गया था। देश के लिए लड़े गए युद्धों में यदि वीरभूमि हिमाचल के रणबांकुरों का

जिक्र न किया जाए, तो सेना के शौर्य की तारीख अधूरी रहेगी। शकरगढ़ सेक्टर के उसी बसंतर युद्ध में पाकिस्तान के 27 टैंकों को खाक में मिलाने वाली भारतीय सेना की टैंक रेजिमेंट ‘चार हार्स’ के कमान अधिकारी हिमाचली शूरवीर कर्नल ‘राजमोहन वोहरा’ थे। सेना की चार हार्स ने पाकिस्तान के टैंकों, मिसाइलों व बारूदी सुरंगों को बर्बाद करके चमरोला, लगवाल व ठाकुरद्वारा जैसे इलाकों पर कब्जा जमाया था। शकरगढ़ में भारतीय टैंकों का हमला इतना भयानक था कि पाकिस्तान की ‘आठवीं टैंक ब्रिगेड’ लगभग पूरी तरह समाप्त हो गई थी। बसंतर युद्ध में प्रेरक सैन्य नेतृत्व के लिए सेना ने कर्नल राज मोहन वोहरा को ‘महावीर चक्र’ से नवाजा था। सेना की ‘प्रथम डोगरा’ यूनिट ने पांच दिसंबर 1971 को अंतरराष्ट्रीय सरहद की बंदिश को तोडक़र बसंतर की जंग में पाक सेना पर जोरदार हमला करके शकरगढ़ के शाहबाजपुर व खैरल आदि क्षेत्रों पर कब्जा जमाया था। जंग में पच्चीस डोगरा सैनिक शहीद हो गए थे। युद्ध में अदम्य साहस के लिए प्रथम डोगरा के ले. ‘एसके जसवाल’ को ‘वीर चक्र’ (मरणोपरांत) से नवाजा गया था। शकरगढ़ के नजदीक ‘चक अमरू’ नामक रेलवे स्टेशन पर सेना की ‘22 पंजाब’ बटालियन ने हमला करके पाक फौज की पेशकदमी को वहीं नेस्तनाबूद कर दिया था।

चक अमरू पर हमले में अहम किरदार अदा करके शहीद हुए ‘22 पंजाब’ के मेजर ‘गुरदेव सिंह जसवाल’ को ‘वीर चक्र’ (मरणोपरांत) से अलंकृत किया गया था। पश्चिमी मोर्चे पर भयंकर जंग में सेना की ‘नौ पंजाब’ बटालियन ने अमृतसर के नजदीक ‘रानियां’ क्षेत्र में पाकिस्तान की 18वीं फ्रंटियर फोर्स व पाक टैंकों के एक बड़े हमले को पांच दिसंबर 1971 के दिन सरहद के उस पार ही ध्वस्त कर दिया था। युद्ध में विशिष्ट वीरता के लिए नौ पंजाब के ले. ‘जोगिंद्र सिंह जसवाल’ को ‘वीर चक्र’ तथा मेजर ‘वासुदेव सिंह मनकोटिया’ को ‘महावीर चक्र’ से सरफराज किया गया था। बसंतर की जंग में भारतीय सेना के आक्रामक अंदाज से खौफजदा होकर पाक सेना बिना किसी शर्त के युद्धविराम का प्रस्ताव भेज चुकी थी। भारतीय सेना सियालकोट को फतह करने के करीब पहुंच चुकी थी। उसी दौरान 16 दिसंबर 1971 को पूर्वी पाकिस्तान के मोर्चे पर पाक फौज ने भारतीय सेना के समक्ष हथियार डालकर आत्मसमर्पण कर दिया। भारतीय रणबांकुरों ने पाकिस्तान को तकसीम करके पूर्वी पाक को नए राष्ट्र बांग्लादेश में तब्दील करके वहां बांग्ला निजाम कायम कर दिया था, मगर भारतीय सेना ने पश्चिमी मोर्चे पर शकरगढ़ में हमले को अंजाम देकर पाकिस्तान के कश्मीर हथियाने वाले मंसूबे को भी ध्वस्त कर दिया था। बसंतर जंग के शूरवीरों को देश नमन करता है।

विदेशी निवेशकों ने 2023 में भारतीय शेयरों में लगाए 1.5 लाख करोड़ रुपये, जानें 2024 में कौन से फैक्टर्स पर पड़ेगा असर

परिवहन विशेष न्यूज

वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीले प्रदर्शन के चलते कैलेंडर वर्ष 2023 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (FPI) घरेलू इक्विटी बाजारों में जमकर निवेश कर रहे हैं। इसके अलावा एफपीआइ मुद्रास्फीति और वैश्विक स्तर पर ब्याज दर परि2श्य के आधार पर भारतीय बाजारों में निवेश करेंगे। डाटा के अनुसार दिसंबर में अब तक इक्विटी बाजारों में एफपीआइ निवेश 43 हजार करोड़ के स्तर को पार कर चुका है।

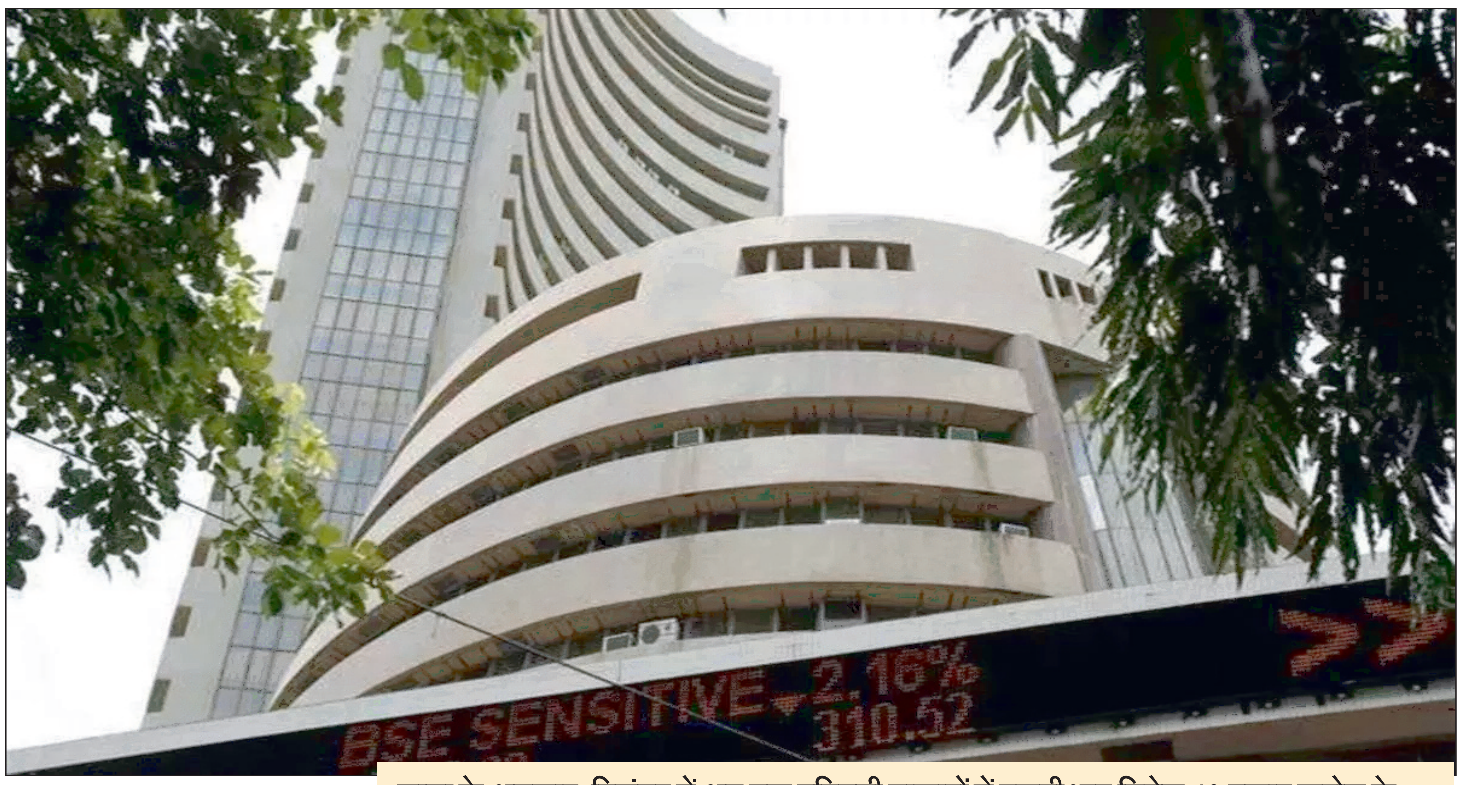

डाटा के अनुसार, दिसंबर में अब तक इक्विटी बाजारों में एफपीआइ निवेश 43 हजार करोड़ के स्तर को पार कर चुका है। इससे पहले मई, जून और जुलाई में भी एफपीआइ ने इक्विटी बाजारों में 40 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया। 2023 में अब तक चार महीने ऐसे रहे हैं, जब एफपीआइ ने इक्विटी बाजारों से शुद्ध रूप से निकासी की है। डाटा के अनुसार, इक्विटी के अलावा विदेशी निवेशकों ने भारत के डेट बाजारों में भी करीब 60 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस प्रकार, विदेशी निवेशक भारत के पूंजी बाजारों में 2023 में अब तक करीब दो लाख करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। एफपीआइ ने भारतीय इक्विटी बाजारों में 2021 में 25,752 करोड़, 2020 में 1.7 लाख करोड़ और 2019 में 1.01 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था के लचीले प्रदर्शन के चलते कैलेंडर वर्ष 2023 में विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक (एफपीआइ) घरेलू इक्विटी बाजारों में जमकर निवेश कर रहे हैं। डिपाजिटरी के डाटा के अनुसार, इस वर्ष 15 दिसंबर तक एफपीआइ भारतीय इक्विटी बाजारों में 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। जानकारों का कहना है कि एफपीआइ का यह सकारात्मक रुख 2024 में भी जारी रहने की उम्मीद है। दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों की ओर से ब्याज दरों में वृद्धि के चलते एफपीआइ ने पूरे 2022 में घरेलू इक्विटी बाजारों से 1.21 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी। जबकि इससे पहले लगातार तीन वर्षों तक एफपीआइ शुद्ध रूप से निवेशक रहे थे।

आम चुनाव के बीच आर्थिक विकास बनेगा केंद्र बिंदु

मार्निंगस्टार इन्वेस्टमेंट रिसर्च इंडिया के एसोसिएट डायरेक्टर हिमांशु श्रीवास्तव का कहना है कि अगले वर्ष जैसे-जैसे आम चुनाव नजदीक आएंगे, विदेशी निवेशकों के लिए राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक विकास केंद्र बिंदु बन जाएंगे। इसके अलावा एफपीआइ मुद्रास्फीति और वैश्विक स्तर पर ब्याज दर परि2श्य के आधार पर भारतीय बाजारों में निवेश करेंगे।

डाटा के अनुसार, दिसंबर में अब तक इक्विटी बाजारों में एफपीआइ निवेश 43 हजार करोड़ के स्तर को पार कर चुका है। इससे पहले मई, जून और जुलाई में भी एफपीआइ ने इक्विटी बाजारों में 40 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का निवेश किया। 2023 में अब तक चार महीने ऐसे रहे हैं, जब एफपीआइ ने इक्विटी बाजारों से शुद्ध रूप से निकासी की है।

डेट बाजारों में 60 हजार करोड़ का निवेश

डाटा के अनुसार, इक्विटी के अलावा विदेशी निवेशकों ने भारत के डेट बाजारों में भी करीब 60 हजार करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस प्रकार, विदेशी निवेशक भारत के पूंजी बाजारों में 2023 में अब तक करीब दो लाख करोड़ रुपये का निवेश कर चुके हैं। एफपीआइ ने भारतीय इक्विटी बाजारों में 2021 में 25,752 करोड़, 2020 में 1.7 लाख करोड़ और 2019 में 1.01 लाख करोड़ रुपये का शुद्ध निवेश किया था।

एफपीआइ के शीर्ष निवेश स्थलों में से भारत एक

एफपीआइ के शीर्ष निवेश स्थलों में से भारत एक है। वैश्विक निवेशक समुदाय में अब इस बात पर लगभग सहमति बन गई है कि आने वाले कई वर्षों तक निरंतर विकास के लिए उभरती अर्थव्यवस्थाओं में भारत के पास सबसे अच्छी संभावनाएं हैं। नौ कंपनियों का पूंजीकरण 2.26 लाख करोड़ बढ़ाबीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजारों में रही तेजी की बदौलत बीएसई में सूचीबद्ध शीर्ष-10 में से नौ कंपनियों के बाजार पूंजीकरण में 2.26 लाख करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। इस दौरान टीसीएस के पूंजीकरण में सबसे ज्यादा 85,493.74 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है।

इन्फोसिस के पूंजीकरण में इजाफा

इसी प्रकार, इन्फोसिस के पूंजीकरण में 36,793.61 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। इसके अलावा एसबीआइ में 30,700.67 करोड़, रिलायंस में 26,386.16 करोड़, आइसीआइसीआइ बैंक में 18,493.9 करोड़, एलआइसी में 14,294.5 करोड़, आइटीसी में 11,412.78 करोड़, एचडीएफसी बैंक में 2,428.72 करोड़ और एचयूएल के पूंजीकरण में 387.69 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई है। वहीं, भारती एयरटेल के पूंजीकरण में 3,654.15 करोड़ रुपये की कमी रही।

सोने के भाव में आज दर्ज हुई भारी गिरावट, चांदी भी 200 रुपये टूटी; यहां चेक करें लेटेस्ट रेट

दिसंबर में सोने की कीमत में अबतक की सबसे अधिक गिरावट आई है। ऐसे में अगर आप आज सोने में निवेश करना चाहते हैं तो आप गोल्ड को सस्ते कीमतों पर खरीद सकते हैं। आज जानिए क्या है सोने और चांदी का भाव और आपके शहर में क्या है 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का भाव।

नई दिल्ली। दिसंबर महीने में सोने की कीमत में अबतक की सबसे तेज गिरावट देखने को मिली है। अगर आप सोने में निवेश करने या गोल्ड खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो आज के दिन आप सस्ते दाम पर सोना खरीद पाएंगे।

कितना सस्ता हुआ सोना?

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के मुताबिक दिल्ली में आज सोने की कीमत 900 रुपये गिरकर 61,300 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। पिछले कारोबार में सोना 62,200 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

विदेशी बाजार में सोना गिरावट के साथ 1,995 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। आज वायदा कारोबार में सोने की कीमत 95 रुपये गिरकर 61,624 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, फरवरी डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 95 रुपये या 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61,624 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई, जिसमें 15,203 लॉट का कारोबार हुआ।

क्या है आज चांदी की कीमत?

सर्राफा बाजार में आज चांदी की कीमत 200 रुपए गिरकर 76,000 रुपए प्रति किलोग्राम पर हो गई। विदेशी बाजार में चांदी 22.98 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर सपाट थी। वायदा कारोबार में आज चांदी की कीमत 118 रुपये गिरकर 72,400 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, मार्च डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 118 रुपये या 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया, जिसमें 16,880 लॉट का कारोबार हुआ।

आपके शहर में क्या है गोल्ड की कीमत?

गुड रिटर्न वेबसाइट के मुताबिक आपके शहर में सोने की कीमत इस प्रकार हैः

दिल्ली में 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना 62,280 रुपये है।

जयपुर में 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना 62,280 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का दाम 62,180 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का दाम 62,130 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का दाम 62,130 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना 62,130 रुपये का है।

हैदराबाद में 24 कैरेट 10 ग्राम सोना 62,130 रुपये का है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोना 62,280 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 62,280 रुपये है।

सस्ता और शुद्ध सोना खरीदने का सुनहरा मौका, जानिए कहां से लें एसजीबी का सब्सक्रिप्शन और कितनी है प्राइस

अगर आप शुद्ध सोने में निवेश करना चाहते हैं तो आज अच्छा मौका है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने वित्तीय वर्ष 2023–24 के लिए सीरीज III सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (SGBs) के लिए आज 18 दिसंबर से आवेदन खोल दिए हैं। यह सदस्यता 22 दिसंबर को समाप्त हो रही है। जानिए कहां से खरीद पाएंगे एसजीबी और क्या है प्राइस।

नई दिल्ली। अगर आप सस्ता और शुद्ध सोने में निवेश करना चाहते हैं तो आपके लिए आज सुनहरा मौका है। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने वित्तीय वर्ष 2023-2024 के लिए सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (SGB) सीरीज III के लिए आज यानी 18 दिसंबर से सब्सक्रिप्शन खोल दिया है। यह सब्सक्रिप्शन 22 दिसंबर को बंद होगा।

कितनी है प्राइस?

सीरीज III सब्सक्रिप्शन के लिए आरबीआई ने एसजीबी की प्राइस 6,199 रुपये प्रति ग्राम तय की है। आरबीआई ने बताया कि इश्यू प्राइस का भुगतान ऑनलाइन मोड से करने पर निवेशक को 50 रुपये प्रति ग्राम का डिस्काउंट मिलेगा।

एसजीबी की कीमत सब्सक्रिप्शन की शुरुआत से पहले सप्ताह के आखिरी तीन वर्किंग डे के लिए 999 शुद्धता वाले सोने के औसत समापन मूल्य के आधार पर तय की जाती है। इस हिसाब से ये कीमत 13-15 दिसंबर के बीच सोने की औसत कीमत के आधार पर आरबीआई द्वारा तय की गई है।

कहां से ले पाएंगे सब्सक्रिप्शन?

अगर आप सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड सीरीज III खरीदना चाहते हैं तो आप स्टॉक होल्डिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, क्लियरिंग कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया, नामित डाकघरों, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) और बीएसई के माध्यम से खरीद सकते हैं।

कितना मिलेगा रिटर्न?

निवेशकों को 2.5 प्रतिशत का निश्चित रिटर्न मिलेगा, जिसका भुगतान नॉमिनल मूल्य के आधार पर सेमी एनुअली (6 महीने) में किया जाएगा।

वित्त मंत्रालय के अनुसार, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड का कार्यकाल आठ साल का होता है, जिसमें पांचवें वर्ष के बाद समयपूर्व मोचन का विकल्प उस तिथि पर प्रयोग किया जाता है जिस दिन ब्याज देय होता है।

कितना खरीद सकते हैं सोना?

एक व्यक्ति अधिकतम चार किलो सोना सब्सक्राइस कर सकता है इसके अलावा एचयूएफ और ट्रस्ट अधिकतम 20 किलोग्राम सोना सब्सक्राइब कर सकते हैं। आप न्यूनतम एक ग्राम सोना खरीद सकते हैं।

क्या होता है सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड?

सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड (एसजीबी) सोने के ग्राम में अंकित गवर्नमेंट सिक्योरिटीज (government securities) होती है। निवेशकों को इश्यू प्राइस का भुगतान कैश में करना होता है और मैच्योरिटी पर कैश रिडेंप्शन प्राप्त करना होता है।

कमजोर डॉलर की मांग से उछला रुपया, शुरुआती कारोबार में इतने पैसे चढ़कर कर रहा ट्रेड

शुरुआती कारोबार में डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे बढ़कर 82.96 पर पहुंच गया। इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में आज अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे बढ़कर 82.97 पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में रुपया 82.95 से 83.02 के बीच कारोबार कर रहा था। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया अपने पिछले बंद भाव से 7 पैसे ऊपर 82.96 पर कारोबार कर रहा था।

नई दिल्ली। अंततराष्ट्रीय बाजार में कमजोर डॉलर और लगातार एफपीआई इनफ्लो के कारण आज शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 7 पैसे बढ़कर 82.96 पर पहुंच गया।

इंटरबैंक फॉरेन एक्सचेंज में आज डॉलर के मुकाबले रुपया 6 पैसे बढ़कर 82.97 पर खुला। शुरुआती कारोबार में रुपया 82.95 से 83.02 के बीच ट्रेड कर रहा था। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 82.96 पर कारोबार कर रहा था, जो पिछले बंद के मुकाबले 7 पैसे की बढ़त है। वहीं शुक्रवार को रुपया 83.03 पर बंद हुआ था।

कमजोर हुआ डॉलर इंडेक्स

डॉलर की ताकत का अनुमान 6 अन्य करेंसी से करने वाला डॉलर इंडेक्स 0.08 प्रतिशत कम होकर 102.10 पर कारोबार कर रहा था। इसके अलावा वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा 0.41 प्रतिशत बढ़कर 76.86 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया था।

एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) ने शुक्रवार को बाजार से 9,239.42 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। विदेशी निवेशकों ने 2023 में लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है। विशेषज्ञों की माने तो अगले साल यानी सकारात्मक रुझान 2024 में भी जारी रह सकता है।

आज कैसा परफॉर्म कर रहा है बाजार?

सोमवार को शेयर बाजार की शुरुआत लाल निशान पर हुई। हालांकि अब खबर लिखे जाने तक बाजार हरे निशान पर ट्रेड कर रहा है। सेंसेक्स 7 अंक चढ़कर 71,491 पर और निफ्टी 8 अंक चढ़कर 21,465 पर कारोबार कर रहा है।

सप्ताह के पहले दिन पटना, गुरुग्राम समेत इन शहरों में बदली पेट्रोल और डीजल की कीमत, चेक करें लेटेस्ट रेट

परिवहन विशेष न्यूज

तेल कंपनियों ने देश के सभी छोटे और बड़े शहरों के लिए पेट्रोल और डीजल की लेटेस्ट कीमतें जारी कर दी हैं। राष्ट्रीय स्तर पर आज भी पेट्रोल और डीजल की कीमतें स्थिर बनी हुई है लेकिन कुछ राज्य सरकारों द्वारा वैट में बदलाव के कारण कुछ शहरों में कीमतों में बदलाव देखा जा रहा है। जानिए क्या है तेल का ताजा भाव।

नई दिल्ली। सोमवार 18 दिसंबर के लिए तेल कंपनियों ने देश के हर छोटे और बड़े शहरों के लिए पेट्रोल और डीजल की लेटेस्ट कीमत जारी कर दी है। अगर आप अपने वाहन से ऑफिस जाते हैं तो यह जरूर चेक कर लें की देश में आज तेल की कीमत क्या है।

आपको बता दें कि तेल कंपनियों ने आज भी राष्ट्रीय स्तर पर पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखा है। हालांकि कुछ राज्य सरकारों द्वारा वैल्यू एडेड टैक्स (VAT) में बदलाव के कारण कुछ शहरों में कीमतों में बदलाव दर्ज किया गया है। जानिए क्या है तेल का ताजा भाव।

इन शहरों में बदली कीमत

गुड रिटर्न के मुताबिक आज तेल की कीमतें इस प्रकार हैंः

शहर	पेट्रोल (कीमत रुपये प्रति लीटर)	डीजल (कीमत रुपये प्रति लीटर)
चैन्नई	102.77	94.37
गुरुग्राम	96.96	89.83
भुवनेश्वर	103.02	94.59
पटना	107.74	94.51
लखनऊ	96.36	89.56

इन शहरों में स्थिर रही कीमत

शहर	पेट्रोल (कीमत रुपये प्रति लीटर)	डीजल (कीमत रुपये प्रति लीटर)
नई दिल्ली	96.72	89.62
नोएडा	96.59	89.76
जयपुर	108.48	93.72
तिरुवनंतपुरम	109.42	98.24
कोलकाता	106.03	92.76
मुंबई	106.31	94.27
चंडीगढ़	96.20	84.26
हैदराबाद	109.66	97.82
बेंगलुरु	101.94	87.89

दिल्ली से ढाई घंटे की देरी से रवाना होगी आनंद विहार-पटना सुपरफास्ट विशेष, कई ट्रेनें चल रही लेट; देखें लिस्ट

यह विशेष ट्रेन सुबह ढाई घंटे की देरी से सुबह आठ बजे की जगह 10.30 बजे आनंद विहार टर्मिनल से पटना के लिए रवाना होगी। दक्षिण दिशा से आने वाली केरल एक्सप्रेस आंध्र प्रदेश एक्सप्रेस ट्रेन सहित अन्य ट्रेनें भी देरी से चल रही हैं। बिहार से आने वाली कई ट्रेनें भी घंटों देरी से चल रही हैं।

नई दिल्ली। आज सोमवार को दिल्ली पहुंचने व यहां से यात्रा शुरू करने वाले रेल यात्रियों की परेशानी बनी रही, क्योंकि लंबी दूरी की कई ट्रेनें विलंब से चल रही हैं।

लोकल ट्रेनें भी आधे घंटे से लेकर एक घंटे तक की देरी से चल रही है जिससे दैनिक यात्री परेशान हैं। पटना से आनंद विहार टर्मिनल के बीच चलने वाली सुपरफास्ट विशेष ट्रेन पौने चार घंटे की देरी से पहुंची। इस कारण वापसी दिशा में इसके प्रस्थान समय में बदलाव करना पड़ा है।

यह विशेष ट्रेन सुबह ढाई घंटे की देरी से सुबह आठ बजे की जगह 10.30 बजे आनंद विहार टर्मिनल से पटना के लिए रवाना होगी। दक्षिण दिशा से आने वाली केरल एक्सप्रेस, आंध्र प्रदेश एक्सप्रेस ट्रेन सहित अन्य ट्रेनें भी देरी से चल रही हैं। बिहार से आने वाली कई ट्रेनें भी घंटों देरी से चल रही हैं।

देरी से चलने वाली मुख्य ट्रेनें

तिरुअनंतपुरम-नई दिल्ली केरल एक्सप्रेस- साढ़े पांच घंटे

बरौनी-नई दिल्ली हमसफर क्लोन एक्सप्रेस- साढ़े चार घंटे

विशाखापट्टनम-नई दिल्ली आंध्र प्रदेश एक्सप्रेस- सवा चार घंटे

वाराणसी-नई दिल्ली काशी विश्वनाथ एक्सप्रेस- साढ़े तीन घंटे

हैदराबाद-नई दिल्ली तेलंगाना एक्सप्रेस- पौने दो घंटे

बेंगलुरु सिटी-नई दिल्ली कर्नाटक एक्सप्रेस- पौने दो घंटे

जबलपुर-हजरत निजामुद्दीन एमपी संपर्क क्रांति एक्सप्रेस- पौने दो घंटे

योगनगरी ऋषिकेश-पुरी कलिंग उत्कल एक्सप्रेस- सवा घंटे

पुरी-योगनगरी कलिंग उत्कल एक्सप्रेस- चार घंटे

मथुरा -गाजियाबाद मेमू- एक घंटा

इतना सोना! देखकर चकरा जाएगा सिर, दिल्ली एयरपोर्ट पर यात्री के पास मिलीं करोड़ों रुपये की सोने की कई चेन

दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर कस्टम अधिकारियों ने इतनी भारी मात्रा में सोना जब्त किया गया है कि आपका सिर चकरा जाएगा। एयरपोर्ट पर ताशकंद से आए यात्री से करोड़ों रुपये की कीमत की सोने की 12 चेन बरामद कर आरोपित को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस मामले में जांच कर रही है कि आरोपित इसको किस उद्देश्य से लेकर आया था।

नई दिल्ली। कस्टम विभाग ने इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय (आईजीआई) एयरपोर्ट पर ताशकंद से आए यात्री से दो करोड़ 78 लाख रुपये कीमत की सोने की 12 चेन बरामद कर आरोपित को गिरफ्तार कर लिया है।

सामान में छिपाकर लाया था सोने की चेन

आरोपित भारतीय है और सामान में छिपाकर सोने की चेन लेकर आया था।इसी सप्ताह बैंककाक से आए एक यात्री से 83 लाख रुपये का सोना बरामद हुआ था। कस्टम अधिकारी के अनुसार, उन्हें जानकारी मिली थी कि ताशकंद से आया यात्री चार किलो 684 ग्राम सोना लेकर आया है।

टीम ने जब उसके सामान की जांच की तो उससे सोने की 12 चेन बरामद हुई। इसके बाद पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया। सोने की कीमत करीब दो करोड़ 78 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस मामले में जांच कर रही है कि आरोपित इसको किस उद्देश्य से लेकर आया था।

शुक्रवार को मिला तीन किलो से ज्यादा सोना

इससे पहले शुक्रवार को दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कस्टम अधिकारियों ने करोड़ों रुपये का सोना जब्त किया। अधिकारियों ने दो उज्बेकिस्तान नागरिकों के पास से तीन किलो से ज्यादा का सोना बरामद किया है।

संसद की सुरक्षा में सेंध: सत्ता-विपक्ष में जमकर टकराव, अब तक 92 सांसद सदन से निलंबित; जानें किसने-क्या कहा

नई दिल्ली। बीते बुधवार को संसद की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया था। लोकसभा सदन में दर्शक दीर्घा में बैठे दो व्यक्ति ने सभी को उस वक्त चौंका दिया, जब वे अचानक वहां से कूदकर सांसदों के बीच जा पहुंचे थे। इस दौरान आरोपियों ने जमकर हंगामा किया। बीते बुधवार सदन के भीतर मौजूद दो आरोपियों में से एक आरोपी सासंदों की सीट पर जा पहुंचा था। इस घटना को देखकर वहां पर मौजूद सासंदों और सुरक्षा कर्मियों के हाथ पांव फूल गए थे। हालांकि दो आरोपियों में से एक आरोपी को वहां मौजूद सांसदों और सुरक्षा कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद पकड़ लिया था और जमकर धुनाई की थी। घटना के बाद से ही विपक्षी दल केंद्र सरकार के खिलाफ लामबंद हो गए हैं। विपक्षी सांसद लगातार घटना को लेकर चर्चा की मांग कर रहे हैं। लेकिन विपक्षी सांसदों द्वारा 'कार्यवाही में व्यवधान' डालने के आरोप में अब तक 92 सांसदों को संसद की शेष शीतकालीन सत्र की कार्यवाही से निलंबित कर दिया गया है। जिसके बाद से तमाम राजनीतिक दलों की प्रतिक्रियाएं सामने आई है।

सरकार ने लोकतांत्रिक मानदंडों को कूड़े में फेंका- मल्लिकार्जुन

कांग्रेस के अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि पहले घुसपैठियों ने लोकतंत्र के मंदिर 'संसद' पर हमला किया, अब मोदी सरकार सदन में इस मुद्दे पर चर्चा न करवाकर लोकतंत्र और संसद पर हमला कर रही है। मोदी सरकार ने लोकतांत्रिक मानदंडों को कूड़े में फेंक दिया, जब उन्होंने 47 सांसदों को निलंबित किया है। विपक्ष से रहित संसद के साथ मोदी सरकार अब महत्वपूर्ण लंबित कानूनों को कुचल सकती है। बिना किसी बहस के इन्हें कूचल सकती है।

हमने की चर्चा की मांग, तो निलंबित कर दिया-प्रियंका चतुर्वेदी

वहीं शिवसेना (यूटीबी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि सांसदों को निलंबित किया जा रहा है, ऐसी तानाशाही नहीं चलेगी। यह देश को स्वीकार्य नहीं है। जनता के विश्वास पर उन्हें भी जनादेश मिला है। जनादेश इसलिए मिला क्योंकि उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा को एक महत्वपूर्ण मुद्दा माना था। आज सबसे सुरक्षित इमारत पर ही हमला हो रहा है। इस पर न तो प्रधानमंत्री बोल रहे, न ही गृह मंत्री बोल रहे। जब सांसदों ने सरकार ने मुद्द पर चर्चा करने की मांग की तो सांसदों को निलंबित कर दिया गया।

विपक्ष ही नहीं सदन में, तो सदन और लोकतंत्र का क्या मतलब-सुप्रिया

कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि मेरी प्रधानमंत्री मोदी को सलाह है कि वे ये लोकतंत्र, सदन, सासंद का सारा ढोंग छोड़ दें। अपनी तानाशाही चलाएं, जब कोई भी उनसे सवाल पूछेगा, वे उन्हें निलंबित करते जाएंगे। पीएम मोदी को विपक्ष का चेहरा बर्दाश्त नहीं है। ये कितनी बड़ी विडंबना है कि विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी को ही निलंबित कर दिया। सदन में विपक्ष की आवाज ही नहीं तो सदन और लोकतंत्र का क्या मतलब है।

पत्नी ने अलग रह रहे पति से IVF प्रक्रिया में सहयोग मांगा, सुप्रीम कोर्ट ने तलाक की कार्यवाही पर लगाई रोक

उच्चतम न्यायालय ने तलाक के एक मामले में कार्रवाई पर रोक लगा दी है। दरअसल, पत्नी की ओर से याचिका में कहा गया है कि बहुत समझाने के बाद उसका पति आईवीएफ प्रक्रिया से बच्चा पैदा करने के लिए राजी हो गया है।

नई दिल्ली। सर्वोच्च न्यायालय ने अलग रह रहे एक दंपति के बीच तलाक की कार्यवाही पर रोक लगा दी है। दरअसल, पत्नी ने इन-विट्रो फर्टिलाइजेशन (आईवीएफ) प्रक्रिया के जरिए गर्भधारण करने के लिए अपने पति का सहयोग मांगा है। आईवीएफ को आम बोलचाल की भाषा में टेस्ट ट्यूब बेबी भी कहते हैं। महिला ने मामले को भोपाल से लखनऊ स्थानांतरित करने के लिए शीर्ष अदालत का रुख किया है, जहां वह अपने माता-पिता के साथ रहती हैं। स्थानांतरण याचिका न्यायमूर्ति पंकज मिथल की पीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आई, जिन्होंने इस पर अपनी सहमति दी।

पत्नी ने की मामले को लखनऊ स्थानांतरित करने की मांग

दोनों पक्षों के बीच तलाक की याचिका भोपाल की परिवार न्यायालय में लंबित है। याचिकाकर्ता महिला (पत्नी) लखनऊ में रह रही हैं और चाहती है कि इस मामले को लखनऊ स्थानांतरित कर दिया जाए। पीठ ने एक दिसंबर को पारित अपने आदेश में कहा कि पति को नोटिस जारी किया जाए और उनसे छह सप्ताह के भीतर जवाब मांगा जाए। इस बीच मध्य प्रदेश के भोपाल में परिवार अदालत के मुख्य न्यायाधीश की अदालत के समक्ष लंबित (तलाक के) मामले में आगे की कार्यवाही पर रोक रहेगी।

आईवीएफ उपचार चल रहा था, पति ने दायर की तलाक याचिका

महिला की ओर से वकील असद अल्वी शीर्ष अदालत में पेश हुए। अपनी याचिका में महिला (44 वर्षीय) ने कहा कि दंपति ने नवंबर 2017 में शादी की थी और बार-बार अनुरोध करने के बावजूद उसके पति ने अपनी बेरोजगारी को माता-पिता बनने में देरी के बहाने के रूप में इस्तेमाल किया। महिला ने कहा कि लगातार अनुरोध के बाद इस साल मार्च में उसका पति आईवीएफ के जरिए बच्चा पैदा करने के लिए सहमत हुआ। जिसके लिए उन्होंने विभिन्न चिकित्सा परीक्षण किए और एक डॉक्टर की देखरेख में आवश्यक दवा लेना शुरू कर दिया। लेकिन याचिकाकर्ता (पत्नी) को तब झटका लगा और निराशा हुई, जब उसका आईवीएफ उपचार चल रहा था, तभी प्रतिवादी (पति) ने अचानक तलाक के लिए याचिका दायर कर दी। वकील एश्वर्या पाठक के जरिए दायर यायिका में आगे कहा गया कि इसके बाद पति ने याचिकाकर्ता के साथ सभी संपर्क तोड़ दिए। उसकी कॉल को ब्लॉक कर दिया और उसे भावनात्मक रूप से परेशान किया।

प्रक्रिया के लिए पति से सहयोग की मांग की

तलाक के लंबित मामले को लखनऊ स्थानांतरित करने की मांग करते हुए याचिका में कहा गया है कि महिला को उसके ससुराल से निकाल दिया गया था और उसे भोपाल में अपनी जान बचाने के लिए कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। वह उत्तर प्रदेश की राजधानी में अपने माता-पिता के साथ रह रही हैं। याचिका के साथ महिला (पत्नी) ने एक आवेदन भी दायर किया है जिसमें उसके पति को आईवीएफ प्रक्रिया में याचिकाकर्ता और डॉक्टरों के साथ सहयोग करने और आईवीएफ डॉक्टरों द्वारा आवश्यकता या सलाह दिए जाने पर शुक्राणु और अन्य सहयोग प्रदान करने का निर्देश देने की मांग की गई है। याचिका में कहा गया है कि व्यक्ति ने शादी के बाद अपनी बेरोजगारी का खुलासा किया। महिला से अस्थायी रूप से अपने माता-पिता के साथ रहने का अनुरोध किया। महिला ने याचिका में कहा कि पति ने उसे आश्वासन दिया था कि जब वह स्थिर रोजगार हासिल कर लेगा तो उनका एक बच्चा होगा। बाद में उसे नौकरी मिल गई।'

बच्चा पैदा करने के लिए राजी हुआ पति

याचिका में कहा गया, बहुत समझाने के बाद प्रतिवादी (पति) बच्चा पैदा करने के लिए राजी हो गया। याचिकाकर्ता (पत्नी) की उम्र करीब 44 वर्ष है और वह रजोनिवृत्ति (मासिक धर्म बंद हो जाना) के कगार पर है। डॉक्टर ने उन्हें 45-46 वर्ष की आयु पूरी करने से पहले आईवीएफ प्रक्रिया से बच्चा पैदा करने की सलाह दी है। दोनों सहमत हो

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों से क्यों हो रहा मोह भंग? पिछले पांच साल में 47000 ने ली स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

परिवहन विशेष।एसडी सेठी।

बीएसएफ के पूर्व एडीजी संजीव कृष्ण सूद कहते हैं, कई जगहों पर वर्कलोड ज्यादा है। जवान ठीक से सो नहीं पाते हैं। वे अपनी समस्या किसी के सामने रखते हैं, तो वहां ठीक तरह से सुनवाई नहीं हो पाती। ये बातें जवानों को तनाव की ओर ले जाती हैं...

केंद्रीय अर्धसैनिक बलों सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी, एसएसबी, सीआईएसएफ और असम राइफल्स में बड़ी संख्या में नौकरी छोड़ने के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसी क्या मजबूरी है कि पिछले पांच वर्ष में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों के 46960 जवानों/अधिकारियों ने नौकरी छोड़ दी। बीएसएफ में 21860 कर्मियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ले ली है। इस मामले में सीआरपीएफ का दूसरा नंबर है। सीआरपीएफ में 12893 कर्मियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली है। केंद्रीय गृह मंत्रालय का दावा है कि इन बलों में सब ठीक है, समय पर कैडर समीक्षा हो रही है। भरपूर सुविधाएं मिल रही हैं। पदोन्नति में ठहराव को कम करने के लिए 10, 20 व 30 वर्ष की नियमित सेवा के अंतराल में तीन वित्तीय अपग्रेडेशन प्रदान किए जा रहे हैं। सैनिक सम्मेलन हो रहे हैं। बल के पूर्व अफसरों का कहना है कि अगर सब कुछ सही है तो इतने बड़े स्तर पर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति क्यों ली जा रही हैं।

क्या इन्हीं वजहों से नौकरी छोड़ रहे हैं बल कर्मी

बीएसएफ के पूर्व एडीजी संजीव कृष्ण सूद कहते हैं, कई जगहों पर वर्कलोड ज्यादा है। जवान ठीक से सो नहीं पाते हैं। वे अपनी समस्या किसी के सामने रखते हैं, तो वहां ठीक तरह से सुनवाई नहीं हो पाती। ये बातें जवानों को तनाव की ओर ले जाती हैं। कुछ स्थानों पर बैरक एवं दूसरी सुविधाओं की कमी नजर आती है। कई दफा सीनियर की डांट फटकार भी जवान को नौकरी छोड़ने या आत्महत्या की तरफ ले जाती है। समय पर प्रमोशन या रैंक न मिलना भी जवानों को तनाव देता है। कन्फेडरेशन ऑफ एक्स पैरामिलिट्री फोर्सेस मार्टियरस वेलफेयर एसोसिएशन के महासचिव रणबीर सिंह के मुताबिक, बल कर्मियों को ड्यूटी पर क्या परेशानी है, इस बारे में सरकार कोई बात नहीं करती। आतंक, नक्सल, चुनावी ड्यूटी, आपदा, वीआईपी सिक्योरिटी और अन्य मोर्चों पर इन बलों के जवान तैनात हैं। इसके बावजूद उन्हें सिविल फोर्स बता दिया जाता है। जवानों को पुरानी पेंशन से वंचित रखा जा रहा है। सिपाही से लेकर कैडर अफसरों तक की प्रमोशन में लंबा वक्त लग रहा है। नतीजा, जवान टेंशन में रहने लगते हैं। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों को भारतीय सेना के बराबर शहीद का दर्जा मिले। इन बलों के लिए पुनर्वास और पुनःस्थापन बोर्ड गठित किया जाए।

साल 2019 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ...

असम राइफल	1307
बीएसएफ	3847
सीआईएसएफ	540
सीआरपीएफ	2481
आईटीबीपी	337
एसएसबी	415
कुल	8927

साल 2020 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ...

असम राइफल	1018
बीएसएफ	3310
सीआईएसएफ	469
सीआरपीएफ	1320
आईटीबीपी	423
एसएसबी	342
कुल	6882

साल 2021 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

असम राइफल	383
बीएसएफ	5235
सीआईएसएफ	645
सीआरपीएफ	3501
आईटीबीपी	652
एसएसबी	396
कुल	10812

साल 2022 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

असम राइफल	1188
बीएसएफ	5341
सीआईएसएफ	762
सीआरपीएफ	3019
आईटीबीपी	545
एसएसबी	314
कुल	11169

साल 2023 में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

असम राइफल	1280
बीएसएफ	4127
सीआईएसएफ	596
सीआरपीएफ	2572
आईटीबीपी	324
एसएसबी	271
कुल	9170

गृह राज्य मंत्री ने बताया व्यक्तिगत और घरेलू कारण

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने पिछले दिनों राज्यसभा में बताया, सीएपीएफ और असम राइफल 'एआर' में स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के मामलों की संख्या वर्ष दर वर्ष बदलती रहती है। इस संबंध में कोई स्थिर प्रवृत्ति नहीं देखी गई है। बलों द्वारा स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति के कारण, व्यक्तिगत और घरेलू बताए गए हैं। इनमें बच्चों/पारिवारिक मुद्दे, स्वयं या परिवार के सदस्यों के स्वास्थ्य संबंधी मुद्दे, सामाजिक/पारिवारिक दायित्व एवं प्रतिबद्धताएं, बेहतर करियर के अवसर आदि प्रमुख कारण हैं। स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेने वाले कर्मियों की संख्या कम करने के लिए, सरकार द्वारा कई तरह के कदम उठाए गए हैं।

गृह राज्य मंत्री का दावा ...

समय पर कैडर समीक्षा करना

संशोधित सुनिश्चित करियर प्रगति योजना 'एमएसीपी' प्रदान करना, जिसके पदोन्नति में ठहराव को कम करने के लिए 10, 20 व 30 वर्ष की नियमित सेवा के अंतराल में 3 वित्तीय अपग्रेडेशन प्रदान करना।

अत्यधिक कठिन और कठिन क्षेत्रों में तैनात इकाइयों का सामान्य क्षेत्रों में तैनाती के लिए रोटेशन करना, सेवानिवृत्ति के अंतिम दो वर्ष के दौरान गृह नगर के निकट पोस्टिंग देना।

सभी फील्ड फार्मेशन में बुनियादी ढांचे का विकास करना

ब्रीफिंग/डीब्रीफिंग, रोल कॉल व सैनिक सम्मेलन के दौरान सभी स्तरों पर उचित परामर्श/ब्रीफिंग करना, अधीनस्थों से कार्य कराने में संवेदनशीलता और मानवीय रवैया अपनाए जाने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को ब्रीफ किया जाता है।

मनोरंजन सुविधाओं, बुनियादी सुविधाओं, टेलीफोन सुविधाओं, स्थानीय वायरलैस प्रणाली तथा शिकायत निवारण का प्रावधान करना

तनाव, अवसाद और मनोवैज्ञानिक चिंताओं को कम करने के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं की शुरुआत करना, पीएम छात्रवृत्ति, योग, ध्यान सत्र व आर्ट ऑफ लिविंग कक्षाएं आयोजित करना

रियायती कीमतों पर उपभोक्ता वस्तुओं की आपूर्ति के प्रावधान के साथ कंटीन सुविधाएं प्रदान करना, महिला कर्मियों के लिए काम करने की स्थिति में सुधार के तहत क्रेच स्थापित करना

उच्चतर शिक्षा, कंप्यूटर, प्लॉट/फ्लैट की खरीद के लिए ऋण देना तथा चिकित्सा सुविधाएं

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023